राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

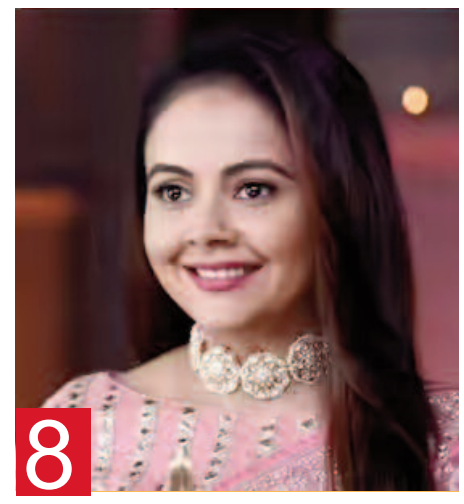

वर्ष 12 अकं :266 रांची (झारखंड) मंगलवार, 08 जुलाई 2025 पेज - 08 मूल्यः 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

उत्तराखंड परिवहन निगम को मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर कार्य जारीः सीएम धामी

एजेंसी

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड परिवहन निगम द्वारा संचालित की जा रही 20 नई वातानुकूलित यूटीसी मिनी (टेम्पो ट्रेवलर) का फ्लैग ऑफ किया। इनमें से 10 टेम्पो ट्रेवलर वाहन देहरादून-मसूरी और 10 टेम्पो ट्रेवलर वाहन हल्द्वानी-नैनीताल रूट पर चलेंगे। इससे नैनीताल-हल्द्वानी और देहरादून-मसूरी के बीच जाम की समस्या में भी कमी आएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि शुरुआती चरण में मसूरी से देहरादून और हल्द्वानी से नैनीताल के लिए 10 टेम्पो ट्रेवलर शुरू किए गए हैं। अगर यह पहल सफल रही तो, इस तरह की सेवाओं की संख्या और बढ़ाई जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कैंप कार्यालय से जीटीसी हेलीपैड तक टेम्पो ट्रेवलर से सफर भी किया।

उन्होंने कहा कि वातानुकूलित

सरकार का प्रयास है कि राज्य के प्रत्येक क्षेत्र को बेहतर सड़क नेटवर्क और विश्वसनीय परिवहन सेवाओं से जोड़ा जाए।

टेम्पो ट्रेवलर राज्य के परिवहन तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे। इनसे यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और किफायती यात्रा की सुविधा मिल सकेगी और प्रदेश की आर्थिक और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार का प्रयास है कि राज्य के प्रत्येक क्षेत्र को बेहतर सड़क नेटवर्क और विश्वसनीय परिवहन सेवाओं से जोड़ा जाए। आज डिजिटल टिकटिंग, ऑनलाइन बुकिंग, ट्रैकिंग सिस्टम जैसी सेवाओं द्वारा परिवहन विभाग जनता को सुलभ यात्रा उपलब्ध करा रहा है। सीएम धामी ने कहा कि हमारी सरकार उत्तराखंड परिवहन निगम को मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसके परिणामस्वरूप लगातार तीन वर्षों से परिवहन निगम मुनाफे में है। परिवहन निगम के बस बेड़े में जल्द ही इलेक्ट्रिक बसों का भी समावेश किया जाएगा, जिसके लिए बसों की खरीद की प्रक्रिया गतिमान है। सरकार ने अपने कर्मचारियों और चालक-परिचालकों की कई समस्याओं का समाधान किया है। चाहे डीए में बढ़ोतरी करना हो, 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करना हो या निगम में भर्तियों के माध्यम से मानव संसाधन बढ़ाना हो, पूरी प्रतिबद्धता के साथ उनके कल्याण के लिए कार्य किए जा रहे हैं। हमारी सरकार प्रत्येक समस्या के समाधान के लिए संकल्पित है।

ब्रिक्स से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट संदेश मिलना भारत की कूटनीतिक जीतः तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि ब्रिक्स जैसे वैश्विक मंच से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट संदेश मिलना भारत की कूटनीतिक जीत है। इसका श्रेय पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी विदेश नीति को जाता है। आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस और आतंकवाद के समूल नाश की नीति को पूरी दुनिया को अपनाने की जरूरत है। अब दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंक के खिलाफ एकजुट है। भारत इस मोर्चे पर अब विश्व का नेतृत्व कर रहा है।चुघ ने भाजपा मुख्यालय में सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि पता नहीं क्यों अखिलेश यादव हों, राहुल गांधी हों या इंडी गठबंधन के नेता, इन्हें सनातन, धार्मिक यात्रा से एलर्जी क्यों है ? उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा एक अनुष्ठान है, एक धार्मिक आयोजन है, इसके अंदर एक कठिन प्रतिज्ञा लेकर, कठिन अनुष्ठान करते हुए, भोले बाबा का नाम लेते हुए, कांवड़िया आगे बढ़ते हैं, लेकिन विपक्ष के नेता कभी कांवड़ियों के ख़िलाफ़ बोलते हैं, कभी कांवड़िया की तुलना आतंकियों से की जाती हैं, ये दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा महासचिव चुघ ने कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी के क्रूर और तुष्टीकरण से ग्रस्त शासन, केरल में वामपंथ और तमिलनाडु में परिवारवाद, तीनों को चुनौती देने के लिए भाजपा का विस्तार ज़रूरी है। ये लक्ष्य सिर्फ चुनावी नहीं, वैचारिक हैं भारत की एकता, विकास और सुरक्षा के लिए हर राज्य में भाजपा की मौजूदगी आज समय की मांग है।

आतंकवाद की सुविधानुसार निंदा मानवता के साथ विश्वासघात- नरेंद्र मोदी

एजेंसी

रियो डी जनेरियो/नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मंच से आतंकवाद को 'मानवता के लिए सबसे गंभीर चुनौती' बताते हुए रविवार को कहा कि आतंकवाद की निंदा केवल सुविधा के हिसाब से करना मानवता के साथ विश्वासघात है। श्री मोदी ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करने और भारत के साथ संवेदना तथा समर्थन जताने वाले देशों का आभार जताया। श्री मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले दिन यहां शांति और सुरक्षा पर ब्रिक्स सत्र के दौरान भारत की ओर वक्तव्य में कहा, आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, केवल सुविधा नहीं। अगर पहले यह देखेंगे कि हमला किस देश में हुआ, किसके विरुद्ध हुआ, तो यह मानवता के खिलाफ विश्वासघात होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा , मित्रों आतंकवाद, आज मानवता के लिए सबसे गंभीर चुनौती बनकर खड़ा है। हाल ही में भारत ने एक अमानवीय और कायरतापूर्ण आतंकी हमले का सामना किया। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला, भारत की आत्मा, अस्मिता और गरिमा पर सीधा प्रहार था। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमला केवल भारत पर नहीं, पूरी मानवता पर आघात था। श्री मोदी ने कहा, इस दुख की घड़ी में, जो मित्र देश हमारे साथ खड़े रहे, जिन्होंने समर्थन और संवेदना व्यक्त की, मैं उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। गौरतलब है कि पाकिस्तान की शह पर काम करने वाले आतंकवादियों ने गत 22 अप्रैल को 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी जिनमें से एक नेपाली नागरिक था। प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि वैश्विक शांति और सुरक्षा केवल एक आदर्श नहीं है, ये हम सभी के साझा हितों और भविष्य की बुनियाद है। उन्होंने कहा कि एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में ही मानवता का विकास संभव है। श्री मोदी ने कहा, इस उद्देश्य को पूरा करने में ब्रिक्स की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारी साझा चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें एकजुट होकर, सामूहिक प्रयास करने होंगे। मिलकर आगे बढ़ना होगा।उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने पर कोई संकोच नहीं होना चाहिए। आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू में नहीं तौला जाना चाहिए।

'बम बम भोले' के जयकारों के साथ 8605 अमरनाथ तीर्थयात्रियों का छठा जत्था जम्मू से रवाना

एजेंसी

जम्मू। 'बम बम भोले' के जयकारों के साथ श्री अमरनाथ यात्रा के 8605 तीर्थयात्रियों का छठा जत्था सोमवार सुबह भगवती नगर स्थित यात्री निवास से दक्षिण कश्मीर हिमालय में पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि तीर्थयात्री 372 वाहनों के बेड़े में जम्मू आधार शिविर से रवाना हुए। उन्होंने कहा, आज सुबह 8605 तीर्थयात्रियों का छठा जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू आधार शिविर से कश्मीर में श्री अमरनाथ यात्रा गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा कि हल्के मोटर वाहन और भारी मोटर वाहन सहित 372 वाहनों के बेड़े में 5119 तीर्थयात्री पहलगाम और 3486 तीर्थयात्री बालटाल के लिए रवाना हुए। गौरतलब है कि प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को यहां से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

ऑपरेशन 'सिंदूर' में दिखी ताकत से स्वदेशी हथियारों की मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ी

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारत ने स्वदेशी हथियारों के जरिए जिस तरह अपना शौर्य दिखाया है, उसके बाद हमारे घरेलू उत्पादों की मांग वैश्विक स्तर पर और भी बढ़ गई है। आज हम रक्षा क्षेत्र में एक तरह से लगभग आत्मनिर्भरता हासिल कर चुके हैं। हमारे अधिकांश उपकरण एक समय में विदेशों से आयात किए जाते थे, वह आज हम खुद अपने देश में बना रहे हैं। हमारा रक्षा व्यय कुछ ऐसा होना चाहिए, जिसमें सिर्फ हमारा बजट न बढ़े, बल्कि उसका सही आवंटन सही समय पर और सही उद्देश्य के लिए भी हो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को यह बातें नई दिल्ली में डीआरडीओ की ओर से आयोजित नियंत्रकों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि

दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों ने जो वीरता दिखाई है, साथ ही जिस तरह से हमने अपने घरेलू उपकरणों की क्षमताओं का प्रदर्शन किया है, उससे हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। 2024 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2.7 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, इतना बड़ा बाजार हमारा इंतजार कर रहा है। अगर आप हमारे रक्षा बजट को देखें, तो यह दुनिया के कुछ देशों की जीडीपी से भी बड़ा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब लोगों की मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को आवंटित किया जाता है, तो हमारी जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार जीईएम पोर्टल से पूंजी खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। इस विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों पर खातों का प्रबंधन करना नहीं है, बल्कि यह हमारी सुरक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। जब आप ईमानदारी से बात करते हैं, तो इसका असर हमारी सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों तक भी पहुंचता है। उन्हें लगता है कि उनके पीछे एक सिस्टम है, जो हर परिस्थिति में उनके साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि आज रक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलाव गतिशील और अनिश्चित हैं। शांति का समय एक दिखावा है। इसके अलावा कुछ नहीं। हम सभी को शांति के समय में रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने पर चर्चा करनी चाहिए, लेकिन अचानक हम खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जिसमें हमें कुछ और करने की आवश्यकता महसूस होती है। अगर किसी उपकरण की अचानक आवश्यकता बढ़ जाती है, तो हम सभी को इस मुद्दे को हल करने के बारे में विचार करना चाहिए। यह सब शांति के समय में किए जाने की जरूरत है। वित्तीय प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए हम सभी को रक्षा अर्थशास्त्र में एक कदम और आगे बढ़ना चाहिए। इसके पीछे कारण यह है कि पूरा विश्व पुनः शस्त्रीकरण के एक नए युग की ओर बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में कई पूंजी निवेश किए जा रहे हैं।

झांसी रेलवे स्टेशन पर प्रसव कराने वाले मेजर को सेना प्रमुख ने सम्मानित किया

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को सैन्य चिकित्सा अधिकारी मेजर बचवाला रोहित की असाधारण पेशेवर कुशलता और कर्तव्य से परे निःस्वार्थ प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करने के लिए सराहना की। उन्होंने मेजर को इसलिए सम्मानित किया कि उन्होंने छुट्टी पर घर जाते समय उत्तर प्रदेश के झांसी रेलवे स्टेशन पर एक महिला को प्रसव पीड़ा होने पर बच्चे को जन्म देने में मदद की। बाद में मां और नवजात शिशु को एक सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। दरअसल, पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस में अपने पति और बच्चे के साथ यात्रा कर रही एक महिला को समय से पहले प्रसव पीड़ा हुई। पति ने रेल मदद ऐप के जरिए रेल अधिकारियों से संपर्क किया, जिसके बाद जब ट्रेन झांसी पहुंची, तो महिला को ट्रेन से उतार दिया।

सुप्रीम कोर्ट बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर 10 जुलाई को करेगा सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि बिहार की मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को विचार करेगा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस मामले में शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध स्वीकार करते हुए कहा कि अदालत गुरुवार इस मामले में विचार करेगी। बिहार में नवंबर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उससे पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के इस फैसले पर सवाल उठाये जा रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के अलावा स्वयंसेवी संस्थाएं पुनरीक्षण के लिए निर्धारित समय समेत अन्य व्यावहारिक दिक्कतों का हवाला देते हुए खुलकर विरोध कर रही हैं। उनका कहना है कि इससे बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा, राष्ट्रीय जनता दल सांसद मनोज कुमार झा, गैर

सरकारी संगठनों - एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, पीयूसीएल और सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव समेत अन्य ने इस संबंध में चुनाव आयोग के 24 जून, 2025 के फैसले की वैधता को शीर्ष अदालत में चुनौती देते हुए अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि यह कदम संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21, 325 और 326 के साथ-साथ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 21ए के प्रावधानों का उल्लंघन है।

उन्होंने तर्क दिया कि यदि इस आदेश को रद्द नहीं किया गया तो मनमाने ढंग से और उचित प्रक्रिया के बिना लाखों मतदाताओं को अपने प्रतिनिधियों को चुनने से वंचित किया जा सकता है। इससे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र बाधित हो सकता है, जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं।

हमारी सरकार का खनन और पर्यावरण के मध्य संतुलन पर विशेष जोर : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य में प्रचुर मात्रा में खनिज संसाधन उपलब्ध हैं तथा खनन की अपार संभावनाएं हैं। इन संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग से न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा बल्कि स्थानीय रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में खनन से राजस्व अर्जन के साथ खनन और पर्यावरण के मध्य संतुलन पर भी विशेष जोर दे रही है। केन्द्र एवं राज्य सरकार के बेहतरीन सामंजस्य से प्रदेश में खनन के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हो रहा है।

शर्मा एवं केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर खान विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में असीम खनिज संपदा की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए नए खनिज ब्लॉक्स की पहचान की जाए। साथ ही, नीलामी प्रक्रिया में तेजी लायी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र सरकार से समन्वय करते हुए इस क्षेत्र में पर्यावरण क्लीयरेंस में भी गति लायी जाए जिससे समयबद्ध खनन सुनिश्चित हो सके।मुख्यमंत्री ने कहा

कि प्रदेश में 82 प्रकार के धात्विक एवं अधात्विक खनिज हैं जिनमें से 57 प्रकार के खनिजों का दोहन किया जा रहा है। राज्य की खनिज संपदा बहुमूल्य एवं दुर्लभ है। ऐसे में इस संपदा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए जिससे अधिक से अधिक उद्योगपति प्रदेश में निवेश करें। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा खनन नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जाए। इसके लिए इस क्षेत्र में अन्य राज्यों द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी अध्ययन करें। केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि राजस्थान खनिज संपदा की दृष्टि से समृद्ध राज्य है। यहां बहुमूल्य एवं दुर्लभ खनिज की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में ग्रीन एनर्जी सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए दुर्लभ खनिजों के सुनियोजित एवं तीव्र खनन पर विशेष बल दे रहे हैं। इस दिशा में राजस्थान की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

पंजाब के होशियारपुर में दर्दनाक हादसा : बस और कार के बीच टक्कर में 8 लोगों की मौत

एजेंसी

होशियारपुर । पंजाब के होशियारपुर में हुए दर्दनाक हादसे में करीब 8 लोगों की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, दसूहा के गांव सगरा के पास एक निजी बस और कार के बीच हुई टक्कर के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। सीएम भगवंत मान ने हादसे पर दुख जताया है। मान ने एक्स पोस्ट में कहा, 'आज जिला होशियारपुर के दसूहा के गांव सगरा में एक बड़ा हादसा हुआ है, जहां सवारियों से भरी एक मिनी बस और कार की आपसी टक्कर हुई है। इस हादसे में कई लोगों की दुखद मृत्यु की खबर मिली है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रशासन को तुरंत घायलों की मदद करने के निर्देश दिए और मैं लगातार प्रशासन के संपर्क में हूं। इस हादसे में

जान गंवाने वाले यात्रियों की आत्मा की शांति के लिए परमात्मा के आगे प्रार्थना करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। बता दें, दसूहा-हाजीपुर रोड पर कार से टक्कर के बाद बस पलट गई। बस में लगभग 40 सवारियां थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सगरा अड्डा के पास कार से टक्कर हुई और बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इसके बाद वहां हाहाकार मच गया। स्थानीय लोग जुट गए और बस में फंसे यात्रियों को निकालने की कोशिश करने लगे। इस दौरान पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जिसने मृतकों के शवों को कब्जे में ले घायलों को अस्पताल रवाना किया। बस के अंदर कई लोग फंसे थे। जैसे-तैसे करके उन लोगों को बाहर निकाला गया। घटनास्थल से आई तस्वीरों में बस बीच सड़क पर पलटी दिखी। बाद में जेसीबी मशीन के जरिए बस को सीधा किया गया। हादसे में अब तक करीब 8 लोगों की मौत की जानकारी है, जिनमें चार महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। बताया जा रहा है कि करीब 30 लोगों को घायल अवस्था में दसूहा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह के पिता आनंद सिंह का निधन, मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह के पिता एवं पूर्व मंत्री आनंद सिंह का रविवार देर रात को लखनऊ में निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज (7 जुलाई) दोपहर 3 बजे निवास मनकापुर कोट, गोंडा में संपन्न होगी। इसकी सूचना केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर दी है। उन्होंने लिखा, आप सभी को अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि आज रात पिताश्री सभी के अभिभावक (आनंद सिंह) पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व सांसद का देहावसान हो गया है। पिता का देवलोकगमन मेरे जीवन की अपूरणीय क्षति है। पिताश्री की अंतिम यात्रा आज दोपहर 3 बजे मेरे निवास मनकापुर कोट, गोंडा में संपन्न होगी।आनंद सिंह उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी (सपा) सरकार में कृषि मंत्री रहे। इसके पहले वह कांग्रेस पार्टी में रहे और गोंडा संसदीय क्षेत्र से चार बार सांसद रहे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने संवेदनाएं व्यक्त की हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा कि केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह के पिता एवं पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद आनंद सिंह का निधन अत्यंत दुःखद है। विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

फेल हो चुके कांग्रेस नेता मुझे ज्ञान देने के बजाय अपनी शर्मनाक स्थिति पर ध्यान दें : कंगना रनौत

एजेंसी

शिमला । हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद और अभिनेत्री कंगना ने बाढ़ से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल, विधायक विनोद कुमार और स्थानीय नेता भी मौजूद रहे। कंगना ने आपदा से प्रभावित पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और साथ ही विकास कार्यों के माध्यम से राहत पहुंचाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि हाल ही में पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता वितरित की गई है। कंगना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वह इन योजनाओं के लाभ पीड़ितों तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। हम हमेशा लोगों के साथ खड़े हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान कंगना रनौत ने कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य सिंह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷जो लोग हिमाचल में बिल्कुल फेल हो चुके हैं, जिन्हें यहां की जनता गालियां दे रही है और कह रही है कि बीस साल तक अब कांग्रेस सरकार यहां नहीं आए, उनको मुझे ज्ञान देने की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी शर्मनाक स्थिति को सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। लोग यहां रो रहे हैं और मुझे बता रहे है कि मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से आए और ऊपर से ही पोज देकर चले गए। जिन क्षेत्रों में करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है, वहां विक्रमादित्य कुछ लाख रुपए देकर मदद का दिखावा कर रहे है। ये लोग भ्रष्ट और ढोंगी हैं। कंगना ने आगे कहा कि जब मुझसे पूछा जाता है कि हिमाचल का पुनर्निर्माण कब होगा, तो मैं कहती हूं कि इसके लिए जवाबदेही जरूरी है। मैं सांसद हूं, मेरे पास कोई कैबिनेट रैंक नहीं है। लोग मेरे बयान का सिर्फ एक हिस्सा निकालकर सवाल कर रहे हैं, यह छोटे-छोटे पैंतरे हैं, इनसे कुछ नहीं होने वाला।

उन्होंने कहा, चाहे आर्मी का रेस्क्यू ऑपरेशन हो या अनाज वितरण, यह सब केंद्र सरकार ने किया है। मदद पहुंचाने वाले ज्यादातर भाजपा के लोग थे। राज्य सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है, जनता भी इसे समझ चुकी है। अब 'कंगना-कंगना' का रोना रोने से कुछ नहीं होने वाला। जनता ने इनके असली चेहरे देख लिए हैं।

जयराम ठाकुर को लेकर पूछे गए सवाल पर कंगना ने कहा, हममें किसी तरह की कोई नाराजगी नहीं है। हम सब एक पार्टी के साथी हैं और एक ही मकसद के लिए काम करते हैं। जब तक हम प्रोफेशनल रहेंगे, सब ठीक रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

एमपी उज्जैन महाकाल दर्शन के लिए साहिबगंज से रवाना हुए महाकाल भक्त

साहिबगंज:

हर हर महादेव के जयघोष से गूंजा साहिबगंज स्टेशन ।महाकाल भक्त सोनू सिंह, मनोज सिंह, छोटे बाबा, रणजीत कुशवाहा समेत अन्य महाकाल भक्त उज्जैन महाकाल दर्शन के लिए रवाना हुए।उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मध्यप्रदेश राज्य के उज्जैन नगर में स्थित महाकालेश्वर भगवान का प्रमुख मंदिर है। ज्ञात हो की सावन माह 11 जुलाई 2025 से शुरू होगा। सावन का महीना हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है। यह महीना भगवान शिव को समर्पित होता है और शिव भक्तों के लिए बेहद खास माना जाता है। शिव भक्त इस माह का बेसब्री का इंतजार करते हैं। साहिबगंज जिला में सावन माह में शिव भक्तों की भीड़ उमड़ जाती है। साहिबगंज गंगा में स्नान कर शिव भक्त शिवगादी, मोतीझरना जाते हैं। शिवगादी में शिव भक्तों की भक्ति का भव्य नजारा देखने मिलता है।

मांडर, अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - एनएच 75 में एलआईसी कार्यालय के समीप रविवार की रात को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक 60 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गयी. ब्लू रंग की बरसाती व आसमानी रंग का पेंट पहने वृद्ध की पहचान नहीं हो पाई है. मांडर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है. घटना करीब सवा आठ बजे की है. बताया जा रहा है कि वृद्ध पैदल ही बाजार टांड़ से मांडर की ओर जा रहा था. इसी क्रम में किसी वाहन ने उसे चपेट में ले लिया. जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी !

जिला क्रिकेट संघ व क्रिकेट प्रेमियों ने धौनी का मनाया 44वा जन्मदिन

साहिबगंज :

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का 44वां जन्मदिन सोमवार को जिला क्रिकेट संघ कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया। जेएससीए सदस्य चंद्रदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा, जिला क्रिकेट संघ सदस्यों व क्रिकेट प्रेमियों व छोटा बच्चा मो आहिल ने केक काटकर व धौनी के तैलीय चित्र में केक खिलाकर धौनी का 44 वा जन्मदिन मनाया। वही जेएससीए सदस्य ने कहा कि धौनी की लंबी उम्र की कामना करते है, धौनी स्वास्थ्य रहे ओर क्रिकेट को और नई ऊंचाइयों पर लेकर जाए। मौके पर जेएससीए के सदस्य चंद्रदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा, सुरेश साह, प्रभाकर कुमार, अमित तिवारी, राकेश गुप्ता, गोपाल सिंह, अंकुर सिन्हा, मो अशफाक, चन्दन यादव, सागर सुमन, जय प्रकाश सिन्हा, जुनैद, आदित्य, मो आहिल, सतीश सिन्हा, राकेश रौशन, ओमकार, सुधीर राणा सहित अन्य थे।

भूतपूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की 18 वीं पुण्यतिथि मनाया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

,भूतपूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन युवा तुर्क चंद्रशेखर की स्मृति में कुछ बात जेहन में है जो कुछ अपने बड़े भाई कृष्णा नंद झा उर्फ पागो से सुना था आपके सामने प्रस्तुत करना चाह रहा हूं कि चंद्रशेखर का नाता सदैव संथाल परगना से रहा था क्योंकि यह समाजवादियों का गढ़ रहा था देवघर विधानसभा तत्कालीन बांका लोकसभा का अंग था और बांका लोकसभा से से मधु लीमये बाद में जॉर्ज फर्नांडीज जैसे दिग्गज नेता चुनाव हार गए थे। यह बात चंद्रशेखर के जेहन में हमेशा थी। और समाजवादियों के संघर्ष के दिनों में उन्होंने यहां पर तत्कालीन देशभर में चर्चित पड़रिया कांड में अपना पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पुत्र अजीत सिंह के साथ समय भी दिया था। सरकार के विरुद्ध उस आंदोलन में गंगा खाबाडे कृष्णानंद झा उर्फ पागोजी, रूद्र नारायण, पुरोहितवार योगीराज ने अहम भूमिका निभाई थी। घटना 1991 की है जब चंद्रशेखर ने विश्वनाथ प्रताप सिंह धोखे का बदला लेकर उन्हें पद्च्युतकर स्वयं प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए थे। उसे समय तत्कालीन जेएनयू में प्रोफेसर रहे। और विदेशी व वित्त उप मंत्री दिग्विजय सिंह के बारे में दिल्ली में कृष्णानंद झा उर्फ पागो जी से कहा था कि , पागोजी इस बार बांका का प्रतिनिधित्व संसद में दिग्विजय सिंह करेंगे। और उसी के बाद हुए लोकसभा चुनाव में दिग्विजय सिंह यहां से समाजवादी जनता दल के प्रत्याशी भी रहे। लेकिन दुर्भाग्य से वह अपना जमानत भी नहीं बचा पाए लेकिन उन्होंने एक बहुत महत्वपूर्ण बयान दिया था कि मैं इस चुनाव में यहां सिखने आया हूं ।और बाद में उन्होंने बांका लोकसभा का कुशल प्रतिनिधित्व किया। तथा बांका लोकसभा का कुशल प्रतिनिधित्व कर यहां के अभी भी जो विकास हो रहे हैं यथा रेलवे अथवा एयरपोर्ट हैं। उनका खाका खींचने वाले विकासोन्मुख व्यक्तित्व के धनी दिग्विजय सिंह ही बने। जो चंद्रशेखर के शिष्य थे।

मंत्री सुदिव्य कुमार ने राजकीय श्रावणी मेला के दौरान कांवरिया पथ में श्रद्धालुओं की दी जाने वाली सुविधाओं का किया निरीक्षण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

मंत्री नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग सुदिव्य कुमार ने राजकीय श्रावणी मेला, 2025 को लेकर चल रही तैयारियों का समीक्षा बैठक व स्थल निरीक्षण किया गया। इस दौरान माननीय मंत्री सुदिव्य कुमार, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा व पुलिस अधीक्षक अजीत पीटर डुंगडुंग ने बाघमारा स्तिथ आईएसबीटी के अलावा कोठिया स्तिथ टेंट सिटी एवं वाहन पड़ाव स्थल, सरसा, परित्राण पार्किंग स्थल का निरीक्षण कर अद्यतन स्थिति की जायजा लिया। साथ ही सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के अलावा विद्युत, शौचालय, पेयजल व बेरिकेड्स की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अलावे निरीक्षण के क्रम में माननीय मंत्री सुदिव्य कुमार ने दुम्मा बॉर्डर से पैदल निरीक्षण कर श्रद्धालुओं को दी जाने विभिन्न सुविधाओं यथा पेयजल, स्नानागार, मोबाइल चार्जिंग, भक्तिमय मनोरंजन, स्वास्थ्य सुविधा, सूचना सह सहायता केंद्र, साफ-सफाई, अतिक्रमण मुक्त कावड़िया पथ, रंगरोगन आदि का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया रुटलाइन में सभी सुविधाओं को गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

आध्यात्मिक भवन के निरीक्षण के दौरान माननीय मंत्री द्वारा संबंधित अधिकारियों को निदेश देते हुए कहा गया कि श्रद्धालुओं के होल्डिंग पॉइन्ट व भीड़ को व्यवस्थित करने के दृष्टिकोण से आध्यात्मिक भवन काफी महत्वपूर्ण स्थल है ऐसे में यहाँ श्रद्धालुओं हेतु बेहतर सुविधा मुहैया कराया जाय। यहाँ हॉल में बेड लगवाया जाय साथ ही कारपेट भी बिछवाया जाय तथा शौचालय, स्नानागार व मोबाइल चार्जर आदि की बेहतर व्यवस्था कराया जाय। स्वच्छता और विनम्रता पर श्रावणी मेला में रहे जोर स्वच्छता और विनम्रता श्रावणी मेला की मूल संवेदना रहनी चाहिए। देश दुनिया से जो भी आये वह एक अच्छा संदेश लेकर जाए। साफ सफाई का प्रबंधन इस प्रकार हो कि वे एक जगह न रहकर सभी ओर रहें और लगातार साफ सफाई होती रहे। माननीय मंत्री ने कहा कि पूरे एल क्षेत्र में चाक चौबन्द व्यवस्था रहे। पूरे शहर में वैकल्पिक व्यवस्था के साथ रोशनी रहे कहीं भी अंधेरा ना रहे। अस्पताल और हेल्थ सेंटर में डॉक्टर रहें तथा एम्बुलेंस प्रत्येक लोकेशन पर रहे। एनडीआरएफ की टीम और प्रशासन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहे। सभी थाना और ओपी संवेदनशील रहें। पार्किंग और यातायात में कोई समस्या न आये। इस दौरान उपरोक्त के अलावा देवघर विधायक, सारठ विधायक, उपविकास आयुक्त देवघर, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर, नजारत उपसमाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी,संबंधित विभाग के अधिकारी, कार्यपालक अभियंता एवं अन्य आदि उपस्थित थे।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा जांच शिविर आयोजन कर मनाया गया धोनी जी का जन्म दिन उत्सव

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांचीः - महेंद्र सिंह धोनी जी के जन्म दिन के शुभ अवसर पर छात्र क्लब चिकित्सा मंच यूनिट(छात्र क्लब ग्रुप) की ओर से निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन चेन्नई ऑप्टिकल(पिस्कामोड़ कांति मार्केट)मे किया गया।शिविर का शुभारंभ क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,वरीय संरक्षक विजय कुमार पाठक,लीगल एडवाइजर अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य एवं प्रसिद्ध समाजसेवी मो.रियाजउद्दीन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, संचालन चेन्नई ऑप्टिकल के निदेशक शाजिद आलम ने किया।जाने माने प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पूजा रानी एवं डॉ.एम.ए.आलम द्वारा 13 लोगों के नेत्रों की जांच की गई साथ ही उन्हें नेत्रों के बीमारियों से बचने के लिए आवश्यक टिप्स भी दी गई।कार्यक्रम समाप्ति के पूर्व

जरूरतमंद लोगों के बीच निःचश्मे का वितरण भी किया गया।इसके पूर्व क्लब की ओर से धोनी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर उनके लंबी उम्र, स्वास्थ्य लाभ,सुखमय जीवन एवं उज्जवल भविष्य की कामना एवं नन्हें मुन्हें बच्चों के बीच बिस्किट्स,चॉकलेट,मिठाइयां एवं पाठ्य सामग्री वितरण की गई। डॉक्टर राजेंद्र कुमार हाजरा ने महान भारतीय क्रिकेटर कैप्टन कुल महेंद्र सिंह धोनी के उपलब्धियों को विस्तृत रूप से बतलाया एवं कहा हमें ऐसे खिलाड़ी धोनी पर गर्व है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप मे छात्र क्लब ग्रुप के वरीय संरक्षक प्रेमशंकर मिश्रा,अमित कुमार मिश्रा,राजेश केडिया,दीपक कुमार साहू,एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश,संरक्षक अवधेश कुमार शर्मा,पिंटू शर्मा,रमेश मिस्त्री,प्रवक्ता दीपक कुमार राणा मौजूद थे। शाजिद आलम ने कहा आयुष्मान कार्ड के द्वारा फ्री मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए हमसे संपर्क कर सकते हैं। आज के कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्यरूप से मोहम्मद सद्दाम अहमद,अशोक कुमार राणा,कुमारी ललिता,जीतन साव,मोहम्मद नागिम अंसारी,अमितेश कुमार,मो. शमीम अहमद आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अंशु सिंह ने सीए की परीक्षा पास कर की देवघर का नाम रौशन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है इस बात को देवघर की बेटी अंशु ने बखूबी चरितार्थ कर दिया है.दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI)ने रविवार को CA की तीनों परीक्षाओं फाउण्डेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया जिसमें देवघर की बेटी अंशु सिंह ने अपने समर्पण और कठिन परिश्रम के बलबूते सीए फाइनल में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया.गौरतलब हो कि अंशु पूर्व में कोलकाता में रहकर तैयारी कर रहीं थीं लेकिन वैश्विक महामारी कोरोना में कोविड के कारण इनके पिता स्व०अग्निहोत्री प्रसाद सिंह का साथ पूरे परिवार से छूट गया लेकिन इस

विपरीत परिस्थिति में भी इन्होंने हालत के आगे हार न मानते हुए वहां से निकलकर देवघर में देवसंघ चौक स्थित अपने दादा महेंद्र नारायण सिंह जो कि भारतीय एयरफोर्स से सेवानिवृत अफसर हैं उनके पास रहकर ही पढ़ाई करने लगीं...चूंकि अचानक से हुए इस हादसे से पूरा परिवार काफी टूट गया था लेकिन फिर भी इन्होंने अपनी माता बबली सिंह सहित पूरे परिवार को सम्हाला और उनका ख्याल रखते हुए अपनी कड़ी परिश्रम और तपस्या के साथ अपने संघर्ष को जारी रखा और जिसका परिणाम आज पूरे समाज के सामने है और अंशु आज सीए बन गई.अंशु ने बातचीत में बताया कि किसी भी विद्यार्थी हेतु कोई परीक्षा कठिन या आसान नहीं होता बल्कि आपका परिश्रम और कुछ कर गुजरने का लगन आपके मार्ग को सुगम बनाता है जिससे सफलता मिलती है, मैं उन सभी छात्रों से कहना चाहती हूँ: रिजल्ट से नहीं, हौसलों से जीत होती है.....अगर दिल से चाहो और दिशा सही हो, तो कोई भी मुकाम दूर नहीं..... गौरतलब हो कि अंशु ने अपने इस सफलता के बारे में बताया कि यह सफलता सिर्फ मेरी नहीं बल्कि मेरे माता-पिता, दादा-दादी, बुआ-फूफा जी, भाई-बहन, चाचा-चाची, गुरुजन, और हर उस अपने का आशीर्वाद है जिन्होंने मुझ पर विश्वास रखा, मेरा साथ दिया, और हर मोड़ पर मेरा हौसला बढ़ाया।

सुनील खवाड़े को दिया गया पुनः अध्यक्ष का दायित्व

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर जिला शतरंज संघ का चुनाव संपन्न सुनील खवाड़े अध्यक्ष, आशीष झा सचिव , प्रणव शंकर बने कोषाध्यक्ष राज्य संघ ने मेल के माध्यम से नई कार्यकारणी की पुष्टि कर बधाई दी 1 और 2 अगस्त को होगा जिला चैंपियनशिप चयनित खिलाड़ी जायेंगे राज्यस्तरीय चैंपियनशिप में : सुनील खवाड़े (अध्यक्ष, जिला चेस संघ देवघर) देवघर जिला शतरंज संघ की नई कार्यकारणी की गठन 26 जून 2025 वर्ष 2025 - 2029 सत्र के लिए हुई नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील खवाड़े ने बताया ये सर्वसम्मित से पुनः मुझे अध्यक्ष पद के लिए चुना और विश्वास जताया इसके लिए वो कार्यकारणी का आभारी है बताते चले की खवाड़े राज्य चेस संघ में उपाध्यक्ष के पद पर भी है, इन्होंने कई बड़ी चेस की प्रतियोगिता देवघर में कराया वही नवनिर्वाचित सचिव आशीष झा बताया नई कार्यकारणी की जानकारी और

बैठक का सारा रिपोर्ट" के माध्यम से अखिल झारखंड राज्य शतरंजसंघ को दे दी गई थी झारखंड राज्य की मेल का अप्रूवल का इंतजार कर रहे थे राज्य संघ के सचिव मनीष कुमार ने आज (7 जुलाई) को ऑफिशियल मेल के माध्यम से नई कार्यकारणी को बधाई दी और इसकी पुष्टि की । अध्यक्ष सुनील खवाड़े ने बताया की इस बार नई कार्यकारणी में पूर्व खिलाड़ी, महिला, सीनियर खिलाड़ी, ऑर्बिटर को भी शामिल किया गया ताकि इनके अनुभव का फायदा जिला संघ को मिले, वही 1 और 2 अगस्त को जिला चेस प्रतियोगिता होगा इसमें 3 केटेगरी होंगे सीनियर , जूनियर (अंडर 14) और सब जूनियर (अंडर 11) विजेता को नगद राशि और मेडल मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। इसका जल्द हो गूगल फॉर्म जारी कर दिया जाएगा फॉर्म में सारी जानकारी खिलाड़ी को भरना है और ऑनलाइन फॉर्म जमा हो जाएगा। इसमें जो भी खिलाड़ी चयनित होंगे उनको अगस्त माह में हो राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में खेलने का मौका मिलेगा । देवघर जिला शतरंज संघ की नईं कार्यकारणी 2025-29 इस प्रकार है अध्यक्ष : डॉ सुनील खवाड़े एग्जीक्यूटिव अध्यक्षः रामेश्वर चक्रवर्ती उपाध्यक्षः सुरेश साह, हेमन्त चंद्र दत्ता, शंकर लाल झा, बिरेंद्र अग्रवाल सचिव : आशीष झा संयुक्त सचिवः कुमार सौरव, धीकांत झा, आशुतोष सिंह (बिट्टू), अनंत कुंजिलवार कोषाध्यक्षः प्रणव शंकर पांडा कॉर्डिनेटरः नवीन शर्मा कार्यकारणी सदस्य : रीता सिंह, सुचिता पाणिगृह, अग्रेज दास, रौनक सिन्हा, अमृतांशु शर्मा, कृष्ण कुमार, वरुण शर्मा, विजय भारद्वाज, पवन कुमार साहू, प्रकाश भारद्वाज, दीपक कुमार दुबे, मनोज पांडे

झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री ने आयुष संतोषी का बढ़ाया हौसला

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर. देवघर परिसदन में मंत्री झारखंड सरकार, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग सह नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के हाथों बेंच प्रेस में झारखंड स्टेट चैंपियन आयुष संतोषी को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि झारखंड में प्रतिभाओं की कमी नहीं है हम उम्मीद करते की आयुष संतोषी झारखंड ही नहीं पुरे भारत का नाम रोशन करें और गोल्ड मेडल ट्रॉफी जीतकर लाएं मौके पर देवघर जिला सभी प्रशासनिक अधिकारी, झामुमो जिला अध्यक्ष संजय कुमार शर्मा, केंद्रीय पदाधिकारी सुरेश साह नगर अध्यक्ष प्रदीप चौधरी महिला मोर्चा की नीलम कुमारी, मनोज दास, नन्द लाल दास,बैजु दास सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री गोपाल कृष्ण मंदिर का 38 वें स्थापना दिवस पर भजन-कीर्तन का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। कास्टर टाउन स्थित श्री गोपाल कृष्ण मंदिर का 38 वां वार्षिक स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इस मंदिर की स्थापना स्व. गीता देवी तुलस्यान ने की थी। मंदिर का स्थापना दिवस कार्यक्रम 7 जुलाई तक चलेगा। मौके पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें देवघर के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। रविवार से 24 घंटे का अष्टयाम अखंड कीर्तन शुरू हुआ है, जिसका समापन 7 जलाई को दोपहर में हुआ। आयोजन को सफल बनाने में शंकर तुलसियान, अभिषेक तुलसियान, ज्योत्स्ना तुलसियान,खुशी तुलसियान, गोपाल कृष्ण मंदिर के पुजारी पंडित लक्ष्मी मिश्रा, राजेश मिश्रा, भजन गायक कलाकार झलक महाराज, शम्भू आमिन साहब,रवि गुप्ता, मतिंद्र जजवाड़े , मंदिर के सेवक वासुकी पंडित, चन्द्र किशोर, एवं शम्भू सिंह आदि मंदिर में आकर्षक विद्युत सज्जा, श्रृंगार भी हुआ।

औरंगाबाद जिले में बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा कैम्प मोड में गणना प्रपत्रों का अपलोड कार्य सक्रिय रूप से संचालित किया जा रहा है

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (SIR 2025) के अंतर्गत औरंगाबाद जिले में बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा कैम्प मोड में गणना प्रपत्रों का अपलोड कार्य सक्रिय रूप से संचालित किया जा रहा है। आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिले में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 25 जून से 26 जुलाई 2025 तक चलाया जा रहा है। इस दौरान सभी बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क स्थापित कर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण कर रहे हैं तथा प्राप्त सूचनाओं के आधार पर मतदाता सूची का अद्यतन किया जा रहा है। इसी क्रम में औरंगाबाद जिले के सभी प्रखंड कार्यालयों में बीएलओ द्वारा कैम्प मोड के माध्यम से प्राप्त गणना प्रपत्रों का अपलोड कार्य तीव्र गति से

किया गया, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जा सके। इस विशेष अभियान के तहत नए मतदाताओं के नामों का समावेश, वर्तमान मतदाताओं की जानकारी का अद्यतन, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नामों का विलोपन तथा मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटियों के सुधार हेतु कार्य किया जा रहा है। इस संपूर्ण प्रक्रिया की प्रगति एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी औरंगाबाद श्री श्रीकान्त शास्त्री (भा.प्र.से.) द्वारा विभिन्न प्रखंडों में संचालित कैम्प स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित बीएलओ, पर्यवेक्षकों एवं आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर कार्यक्रम की गुणवत्ता एवं जनजागरूकता की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने बीएलओ को स्पष्ट निर्देश दिया कि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे और प्रत्येक अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी एवं सजगता के साथ करें। जिला पदाधिकारी ने आम नागरिकों से यह अपील भी की कि वे अपने नजदीकी बीएलओ से संपर्क कर मतदाता सूची में अपना नाम अनिवार्य रूप से जाँचें तथा यदि किसी प्रकार का संशोधन, सुधार या नया नामांकन आवश्यक हो, तो निर्धारित प्रपत्र भरकर समय पर आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त एवं पारदर्शी बनाए रखने में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, अतः सभी मतदाता समय रहते इस अभियान का लाभ उठाएं और अपने संवैधानिक अधिकार को सुरक्षित करें।

संक्षिप्त समाचार

हसन क्लब शंकरपुर में किया गया अखाड़ा का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हसन क्लब शंकरपुर में अखाड़ा का आयोजन किया गया। मुहर्रम के अवसर पर हसन क्लब शंकरपुर के द्वारा धूमधाम से अखाड़ा आयोजन किया गया। अखाड़ा में विभिन्न गांवों से पहुचें हुए खिलाड़ियों ने अपना-अपना कर्तव्य दिखाया गया. इस दौरान कई तरह का लाठी, तलवार, भाला आदि का खेल दिखाया. इसी खेल के आधार पर बेहतर करने वालों को पुरस्कृत किया गया. इस अखाड़ा में पहला स्थान कोहिनूर क्लब कुंजीसार, दूसरा स्थान नूरी क्लब पहरीडीह, तीसरा स्थान स्टार हुसैनी क्लब जितपुर, चौथा स्थान आजाद कलब जिग्जोरी, पांचवां स्थान अजमेरी क्लब भैरवाहाड़, छठा स्थान गोसिला चुमेही जितजोरी ने प्राप्त किया. इस मौके पर जज सेराज हिन्दुस्तानी, सफरूदीन अंसारी, सदस्य असगर अंसारी, सुभान अंसारी, अलाउद्दीन अंसारी, असरफ अंसारी, अताउल अंसारी, निवेदक मुस्ताक अंसारी सचिव अकबर मियां, सदर तस्लीम मियां व अन्य और मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला परिषद महेंद्र यादव, प्रखंड अध्यक्ष कांग्रेस नरेश यादव, मुखिया सुभाष यादव, समाजसेवी शिवराम सिंह, प्रकाश यादव, पूर्व पंचायत समिति शालिग्राम मंडल, वार्ड सदस्य मुबारक अंसारी आदि व सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे.

व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद ने नौ अभियुक्त को दोषी करार दिया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में एडिजे तीन अन्नदिता सिंह ने गोह थाना कांड संख्या -88/10, जी आर-438/10,एस टी आर - 31/12,275/24 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए नौ अभियुक्तों को भादंवि धारा -323/149 में दोषी करार देते हुए परिवीक्षा का लाभ देते हुए रिहा किया है, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक शकील अहमद सुग्गी बिगहा गोह ने 01/07/2010 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें कहा था कि अपने पिता और भाई के साथ इमामबाड़ा के पास से ईंट बालु ढो रहे थे तो अभियुक्त परमेश्वर यादव,मदन यादव, कामेश्वर यादव, रामेश्वर यादव,नरेश यादव सुखी बिगहा गोह रामसेवक यादव, भोला यादव,सोहन यादव नवी यादव रामपुर कोंच गया ने लाठी डंडे से हमला कर पिता और भाई को घायल कर दिया था, घटना के पिछे का कारण पांच साल पूर्व से चली आ रही जमीनी विवाद बताया गया था, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि अपराधी परिवीक्षा ऐक्ट 1958 भारत में अपराधियों को सुधारने और समाज में पुनः शामिल करने के उद्देश्य से बनाया गया यह कानून अपराधियों को जेल भेजने के बजाय परिवीक्षा पर रिहा करने का अनुमति देता है परिवीक्षा एक अवधी है जिसमें अपराधियों को परिवीक्षा अधिकारी के देखरेख में कुछ शर्तें के साथ रखा जाता है।

स्पेशल एनडीपीएस सह एससी-एसटी कोर्ट न्यायाधीश इसरार अहमद को अधिवक्ताओं ने किया सम्मानित

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय के जिला जज प्रथम, स्पेशल एनडीपीएस सह एससी-एसटी कोर्ट न्यायाधीश इसरार अहमद को जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनरायण सिंह सहित तमाम कार्यसमिति सदस्यों ने साल, बुके, माला और मेमेंटो देकर सम्मानित किया और 29/03/25 से 07/07/25 तक किये गये उनके न्यायिक कार्य की प्रशंसा किया, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि पटना हाईकोर्ट ने उनका पदोन्नति करते हुए उनका तबादला व्यवहार न्यायालय मोतिहारी के परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश पद पर किया है उपस्थित कार्यसमिति के सभी सदस्यों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके पदोन्नति पर बधाई दिया और शुभकामनाएं प्रकट किया।

गोह में मुहर्रम का पर्व पी. आर निकाली गई ताजिया

रिपोर्ट - अनुमंडल संवादाता

गोह। गोह प्रखंड में मुहर्रम का पर्व पर निकाली गई ताजिया। मुख्यालय के आलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी ताजिया निकाला गया और हसन हुसैन के याद में मातम मनाया। जुलूस में शामिल लोग हसन हुसैन की शहादत को याद किया। साथ ही पारंपरिक हथियार का लोगो ने करतब भी दिखाया। मुहर्रम को लेकर प्रशासन भी काफी चौकस रही। शांतिपूर्ण पर्व संपन्न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस लिया।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 से पहले पारुल सिंह ने मांगा राज्यों का समर्थन

नई दिल्ली, ।

दिल्ली में इस साल सितंबर-अक्टूबर के बीच होने जा रही 12वीं विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप को लेकर तैयारियां तेज हैं। आयोजन से पहले दिल्ली राज्य पैरा ओलंपिक समिति की अध्यक्ष पारुल सिंह देशभर के राज्यों से सहयोग जुटाने में जुटी हैं। हाल ही में उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर राज्य के सहयोग की अपील की। बैठक के दौरान पारुल सिंह ने मुख्यमंत्री सोरेन को भगवान राम और माता सीता की पारंपरिक चित्रकला भेंट की और पैरा खेलों को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि यह चैंपियनशिप सिर्फ. एक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन नहीं, बल्कि भारत में पैरा खिलाड़ियों के लिए स्थायी ढांचा और समावेशी खेल संस्कृति तैयार करने का मौका है।हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान पारुल सिंह ने कहा कि यह चैंपियनशिप सिर्फ. अंतरराष्ट्रीय पहचान का मौका नहीं है, बल्कि भारत के लिए एक ऐसा समय है जब हमें पैरा खिलाड़ियों के लिए बेहतर ढांचे और ट्रेनिंग सुविधाओं में लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहिए। उन्होंने कहा, यह चैंपियनशिप भारत को वैश्विक मंच पर दिखाने का मौका तो है ही, लेकिन इससे भी ज्यादा यह हमारे देश में पैरा खेलों के लिए एक मजबूत और टिकाऊ सिस्टम बनाने का अवसर है। 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाले इस आयोजन में 100 से ज्यादा देशों के 1,000 से अधिक एथलीट्स के भाग लेने की उम्मीद है। इसमें कुल 186 स्पधार्एं होंगी, जो इसे भारत का अब तक का सबसे बड़ा पैरा-स्पोर्ट्स आयोजन बनाती हैं। इससे पहले मार्च 2025 में दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री के आयोजन में भी पारुल सिंह ने अहम भूमिका निभाई

थी। 20 देशों के 283 एथलीट्स वाले उस आयोजन को चैंपियनशिप की तैयारी के लिहाज से एक परीक्षण के तौर पर देखा गया था, जिसमें लॉजिस्टिक्स और पहुंच-योग्यता से जुड़े कार्यों में सिंह की सक्रिय भूमिका की काफी सराहना हुई थी। चैंपियनशिप का आधिकारिक लॉन्च कार्यक्रम 20 जून को शुरू हुआ, जब पारुल सिंह ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और सांसद कंगना रनौत के साथ शुभंकर ह्लविराजह्व का अनावरण किया। इस दौरान वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स के प्रमुख पॉल फिट्जगेराल्ड भी मौजूद रहे। ब्लेड प्रोस्थेसिस वाले एक हाथी के रूप में यह शुभंकर आत्मबल और अनुकूलनशीलता का प्रतीक है। पारुल सिंह लंबे समय से पैरा खेलों के लिए जरूरी नीतिगत और सामाजिक बदलावों की वकालत करती आ रही हैं। 1.4 अरब की आबादी वाले देश में हमारे पैरा एथलीट्स अब भी हाशिए पर हैं। यह चैंपियनशिप उस सोच को बदलने का मौका है, उन्होंने कहा। उनका प्रयास सिर्फ.दिल्ली तक सीमित नहीं है। वह अन्य राज्यों के नेताओं से भी मिल रही हैं ताकि पूरे देश से खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके और पैरा-स्पोर्ट्स के लिए संसाधन जुटाए जा सकें। यह प्रयास भारत की 2036 ओलंपिक्स और पैरालंपिक्स की मेजबानी की संभावनाओं को भी मजबूती देगा। कोबे 2024 चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक जीत चुके एथलीट्स–प्रवीण कुमार (हाई जंप ळ64) और नवदीप सिंह (जैवेलिन ऋ41)–दिल्ली में होने वाले इस आयोजन में भारत की उम्मीदों का केंद्र होंगे। कोबे में भारत ने 17 पदक जीते थे, जिनमें 6 स्वर्ण शामिल थे। इस बीच इंडियन ऑयल समेत कई संस्थानों ने चैंपियनशिप को समर्थन देना शुरू कर दिया है। पारुल सिंह अब आयोजन से जुड़े हर पहलू–ट्रांसपोर्ट, वॉलंटियर ट्रेनिंग, ठहरने की व्यवस्था, मीडिया कवरेज–की निगरानी कर रही हैं। चैंपियनशिप में अब सिर्फ. कुछ ही महीने बचे हैं। ऐसे में पारुल सिंह का नेतृत्व न सिर्फ.दिल्ली, बल्कि पूरे देश में समावेशी खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कड़ी बन गया है। उनके लिए यह आयोजन केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि देश के करोड़ों दिव्यांगजनों को केंद्र में लाने का मौका है–एक ऐसा मंच जहां हर बाधा के पार जाने की उम्मीद है।

इटारसी में प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में हिस्सा लेंगे यूपी कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल

भोपाल:

चौरिया कुर्मी महासभा और पटेल समाज द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 13 जुलाई 2025 (रविवार) को नर्मदापुरम जिले के इटारसी में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और अपना दल (एस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 170 होनहार छात्र-छात्राओं को उनके शैक्षणिक और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन साई कृष्णा रिसोर्ट, पेट्रोल पंप के पास (खेड़ा), इटारसी में सुबह 11 बजे से शुरू होगा। अपना दल (एस) राष्ट्रीय

महासचिव एवं मध्य प्रदेश प्रभारी आर बी सिंह ने बताया कि इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष पटेल अपना दल (एस) की नीतियों और विचारधारा पर प्रकाश डालेंगे। वे समाज के उत्थान और शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए आम जनमानस से अपना दल (एस) से जुड़ने का आह्वान करेंगे। यह समारोह न केवल प्रतिभाओं को सम्मानित करने का मंच होगा, बल्कि सामाजिक एकता और राजनीतिक जागरूकता को बढ़ावा देने का भी एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। कार्यक्रम में चौरिया कुर्मी महासभा के अध्यक्ष नवीन पटेल समेत देवेंद्र प्रताप सिंह, मान सिंह पटेल, अर्जुन सिंह पटेल, धीरेन्द्र सिंह बघेल, राजेस्वर मिश्रा, मोहित गुप्ता, मुकेश मराठा, यश कुमार, वंदना नामदेव, राजेंद्र पटेल, सुरेंद्र नाहर, हरीश तलरेजा, एस आर नागले, त्रिलोकी सिंह, राजेश पल, धनीराम केवट, मनीष सिरवैया, हरदास कुशवाहा जैसे पार्टी के वरिष्ठ व प्रमुख नेता आशीष पटेल के स्वागत के लिए उपस्थित रहेंगे। वहीं प्रदेशभर से अपना दल (एस) के कार्यकर्ताओं के भी इस कार्यक्रम में पहुँचने की उम्मीद की जा रही है।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए नागरिकों ने अपने-अपने समस्याओं को जिला पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया। जनता दरबार में कुल तीन परिवादी उपस्थित हुए, जिनमें प्रमुख रूप से जीविका समूहों में भ्रष्टाचार, ममताव कार्यकताओं के मानदेय भुगतान में लंबित राशि तथा आंगनबाड़ी सेविका की बहाली प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब जैसी समस्याओं को उठाया गया। ग्राम फुलवरिया, पोस्ट पिपरा बगाही, थाना कुटुम्बा निवासी सिन्धु देवी द्वारा पंचायत पिपरा बगाही के जीविका समूह में व्याप्त अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार की शिकायत की गई। वहीं कलावती कुमारी एवं अन्य ममता कार्यकताओं ने ममता कार्यकर्ता मानदेय भुगतान से संबंधित समस्याओं को रखा। इसी क्रम में ग्राम तेजु बिगहा, पोस्ट केताकी, प्रखंड देव निवासी पूजा कुमारी द्वारा आंगनबाड़ी सेविका की बहाली प्रक्रिया में हो रही देरी के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री ने सभी शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने एवं प्रत्येक परिवाद की निष्पक्ष जांच कर निर्धारित समयावधि में निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही सहन नहीं की जाएगी तथा जनता दरबार में प्राप्त परिवादों पर पारदर्शी एवं संवेदनशील कार्रवाई की जाएगी, जिससे आम नागरिकों को शीघ्र न्याय मिल सके। जनता दरबार की समाप्ति के उपरांत जिला पदाधिकारी ने उपस्थित नागरिकों को यह भरोसा

दिलाया कि जिला प्रशासन आमजन के हितों एवं शिकायतों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक समस्या का समाधान न्यायोचित, निष्पक्ष एवं समयबद्ध रूप से किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जनता दरबार, आम नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद और विश्वास का सशक्त माध्यम बन चुका है, जिससे शासन के प्रति जनता का भरोसा और अधिक मजबूत हुआ है।

एल्गोक्वांट फिनटेक का बड़ा ऐलान: 8:1 बोनस इश्यू और स्टॉक स्प्लिट को मिली मंजूरी

2 फेस वैल्यू वाला शेयर अब 1 में होगा विभाजित, हर शेयर पर मिलेंगे 8 बोनस शेयर

नई दिल्ली, ।

वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में उभरती हुई कंपनी एल्गोक्वांट फिनटेक ने अपने निवेशकों के लिए एक अहम घोषणा की है। कंपनी ने 2 फेस वैल्यू वाले शेयरों को 1 में विभाजित करने और हर 1 के शेयर पर 8 बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस कॉर्पोरेट ऐक्शन का उद्देश्य न सिर्फ निवेशकों को प्रत्यक्ष लाभ देना है, बल्कि स्टॉक की तरलता और खुदरा निवेशकों की पहुंच को भी बढ़ाना है। कंपनी का मानना है कि यह कदम दीर्घकालिक दृष्टिकोण से बाजार में उसके स्टॉक को और आकर्षक बनाएगा। कंपनी के अनुसार, आवश्यक नियामकीय अनुमोदन प्राप्त होते ही अगले दो महीनों के भीतर यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और रिकॉर्ड डेट की घोषणा भी जल्द की जाएगी। एल्गोक्वांट फिनटेक के मैनेजिंग डायरेक्टर देवांश गुप्ता ने बताया कि 2 के फेस वैल्यू वाले हर शेयर को 1 में विभाजित किया जाएगा और फिर प्रत्येक 1 के शेयर पर 8 बोनस शेयर दिए जाएंगे। इस प्रकार, जो निवेशक पहले 2 का एक शेयर रखते हैं, उन्हें कुल 18 नए 1 वाले शेयर प्राप्त होंगे। गुप्ता ने कहा कि कंपनी का यह फैसला दीर्घकालिक निवेशकों को सशक्त करने और स्टॉक के व्यापारिक दायरे को बढ़ाने की दिशा में उठाया गया है। बाजार में भी इस घोषणा का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। बीएसई पर हाल ही में कंपनी का शेयर 2.6 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1065 पर बंद हुआ, जिससे निवेशकों की उत्साही प्रतिक्रिया साफ दिखती है। विशेषज्ञों का मानना है कि बोनस और स्टॉक स्प्लिट का यह संयोजन स्टॉक की लिक्विडिटी को बेहतर बनाएगा और छोटे निवेशकों के लिए इसकी सुलभता को बढ़ाएगा। इससे शेयर की मांग में दीर्घकालिक रूप से वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है। एल्गोक्वांट फिनटेक का रिटर्न रिकॉर्ड भी खासा प्रभावशाली रहा है। पिछले तीन वर्षों में इस स्टॉक ने करीब 385 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जबकि बीते एक वर्ष में यह 32 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज कर चुका है। कंपनी बीएसई के ग्रुप में सूचीबद्ध है और इसका

मौजूदा मार्केट कैप 1700 करोड़ से कम है। अगस्त 2024 में इसका न्यूनतम स्तर 739 रहा था, जिससे स्पष्ट होता है कि हाल के महीनों में स्टॉक ने उल्लेखनीय रिकवरी की है।कंपनी की स्थापना 2018 में हुई थी और यह SEBI-पंजीकृत स्टॉक ब्रोकिंग फर्म है। एल्गोक्वांट फिनटेक एनएसई और बीएसई सहित सभी प्रमुख एक्सचेंजों पर सक्रिय है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है, जबकि इसके कार्यालय बेंगलुरु, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, गाज़ियाबाद और गिफ्ट सिटी (गांधीनगर) में भी स्थित हैं। कंपनी की विशेषता अल्गोरिदमिक ट्रेडिंग और अल्ट्रा-लो लेटेंसी सिस्टम्स में है, जहां यह अपने इनहाउस सॉफ्टवेयर के जरिए ट्रेडिंग करती है। कंपनी के पास 500 से अधिक कर्मचारियों की टीम है, जिसमें तकनीकी विभाग के प्रमुख सदस्य IIT जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से हैं। वहीं, वरिष्ठ प्रबंधन Graviton Research Capital, Alpha-Grep और Deutsche Bank जैसे वैश्विक संगठनों से जुड़ा हुआ है। यह पेशेवर क्षमता एल्गोक्वांट को भारत की गिनी-चुनी सूचीबद्ध अल्गो ट्रेडिंग फर्मों में स्थान दिलाती है, जिनकी आमदनी और मुनाफा लगातार बढ़ रहा है।एल्गोक्वांट फिनटेक की यह घोषणा केवल एक कॉर्पोरेट ऐक्शन नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक रणनीतिक संकेत है। बोनस और स्प्लिट के इस कदम से निवेशकों के बीच कंपनी की साख मजबूत होगी, शेयर का वितरण व्यापक होगा और बाजार में इसकी स्थिरता व विश्वसनीयता को नया बल मिलेगा। निवेशकों और बाजार विश्लेषकों की दृष्टि से यह घोषणा कंपनी के विकास के अगले चरण की ओर स्पष्ट संकेत देती है।

20 जुलाई के वैश्य प्रतिनिधि सम्मेलन में आने के लिए नीलकंठ सेवा समिति के संरक्षक नीरज गुप्ता ने किया अपील

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय के ब्लॉक मोड़ के समीप अवस्थित सम्राट अशोक भवन के प्रांगण में 20 जुलाई को वैश्य प्रतिनिधि सम्मेलन के निमित्त सभी 11 प्रखंडों में वैश्य समाज के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य करने वाले वैश्य समाज के प्रबुद्ध कार्यकताओं को सम्मानित किया जाएगा।इस संबंध में प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता नीलकंठ सेवा समिति के संरक्षक सह व्यवस्थापक नीरज गुप्ता ने बताया कि जिले के सभी क्षेत्रों में भ्रमण करके वैश्य समाज के कार्यकताओं को जागरूक किया जा रहा है एवं वैश्य समाज के लिए जिन्होंने उल्लेखनीय कार्य किए हैं उन्हें चिन्हित भी किया जा रहा है ताकि उक्त तिथि को उन्हें सम्मानित किया जा सके। सम्मान समारोह के मौके पर ओबरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी वैश्य समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने वाले वैश्य रत्न प्रकाश चंद्रा एवं औरंगाबाद नगर परिषद के वर्तमान अध्यक्ष एवं वैश्य समाज के लिए तन मन धन से सेवा करने वाले वैश्य रत्न उदय प्रसाद गुप्ता की गरिमामई उपस्थिति होगी।

मोहर्रम शांतिपूर्वक मनाया गया, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सह पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव

दिव्य दिनकर

भागलपुर (बिहार)मोहर्रम को लेकर पूजा समिति की पूरी टीम दिन-रात सफल बनाने में लगे रहते हैं।सभी त्यौहार पर्व चाहे बिषहरी पूजा हो या गणेश पूजा दुर्गा पूजा काली पूजा वही मोहर्रम को लेकर भी लाईट व पूरा व्यवस्था किया गया , पंडाल की व्यवस्था लाइट की व्यवस्था माइक की व्यवस्था पानी की व्यवस्था सभी खलीफा को सम्मानित किया गया ।पूजा समिति अध्यक्ष विधानसभा पूर्व प्रत्याशी पप्पू यादव ने कहा गंगा जमुना तर्जिश भागलपुर में देखने को मिलता है, मोहर्रम भी शांति सद्भाव ,भाईचारा से मनाया गया। डीएसपी 2 राकेश कुमार रात भर कैंप में रहे शांति, सद्भाव ,जुलूस चला रहा डीएसपी साहब ने कहा पूजा समिति का बहुत अच्छा व्यवस्था सर्किल इंस्पेक्टर मारकंडेय सिंह रात भर कैंप में खलीफा को सम्मानित भी किये उन्होंने भी कहा बहुत अच्छा व्यवस्था किया गया है, पूजा समिति के द्वारा 20 साल से लगातार सेवा करते आ रहे हैं। जिला प्रशासन का भी भरपूर सहयोग मिला पूजा समिति अध्यक्ष विधानसभा पर प्रत्याशी पप्पू यादव ,अमरकांत मंडल, राजेंद्र लाल चंदन मिश्रा लक्ष्मी यादव अशोक शाह ,आकाश यादव ,रोहित यादव ,दिलीप मालाकार ,मोहम्मद बबलू, मोहम्मद शमी, चप्पू खान, संतोष कुमार ,उपेंद्र शाह ,राजू मालाकार, शंकर चौधरी, अयाज अंसारी ,असलम नियाजी ,इरशाद , प्रवीण यादव, शंकर यादव सभी लोग रात भर लगे रहे शांति सद्भाव भाईचारा का एक मिसाल कायम किया।

महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह के सौजन्य से अष्टभुजी धाम पिपरा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर 13 जुलाई को

रपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बारुण प्रखंड मुख्यालय से 12 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित पटना कैनल रोड के समीप अष्टभुजी धाम पिपरा के प्रांगण में 13 जुलाई को महोत्सव रत्न, जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष, सूर्य राघव मंदिर बड़ेम के अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह के सौजन्य से एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। विश्व स्तरीय अस्पताल मेदांता हॉस्पिटल के योग्य एवं अनुभवी डॉक्टरों के द्वारा जरूरतमंद लोगों को निशुल्क इलाज किया जाएगा।उनकी जांच की जाएगी एवं दवाई भी दी जाएगी इसकी तैयारी के लिए एक बैठक की गई। इसकी अध्यक्षता पिपरा पंचायत के पूर्व मुखिया अजय कुमार ने किया अष्टभुजी धाम महोत्सव आयोजन समिति के संरक्षक अजीत मिश्रा,अध्यक्ष विजय कुमार सिंह,सचिव राजा दिलीप सिंह, कोषाध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता के आह्वान पर बैठक में उपस्थित दिलकेश्वर सिंह, उपेंद्र प्रसाद,श्रीपति प्रसाद साव, कर्मदेव पाल,संजय सिंह सुरेंद्र प्रसाद,उप सचिव रामेश्वर भगत, राजेश्वर प्रजापति,अकेला सिंह पुजारी नीरज मिश्रा,देवनंदन राम,त्रिवेणी राम रामजी सिंह, मनीष कुमार, संयोजक सुरेश विद्यार्थी सहित अन्य सदस्यों ने निर्णय लिया कि 13 जुलाई को आयोजित चिकित्सा शिविर में ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए ।इसके लिए गांव-गांव जाकर जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को चिकित्सा शिविर में बुलाया जाएगा। अष्टभुजी धाम महोत्सव आयोजन के बाद से लगातार पिपरा में सामाजिक कार्यों को मूर्त रूप प्रदान किया जा रहा है।

लेन-देन की कूटनीति के दौर में भारत का इम्तिहान

>> विचार

“ अगर भारत अपना कृषि क्षेत्र खोले बिना अपना काम निकाल पाया, तो यह बड़ी जीत होगी। अमेरिका इसे पाकिस्तान के साथ संबंध बढ़ाने के बदले में एक कदम के रूप में भी देख सकता है। लेकिन यहीं आकर इन दिनों चीजें बिगड़ने लगती हैं। अमेरिका को मालूम है कि मोदी सरकार के लिए पाकिस्तान का नाम घृणास्पद है, लेकिन फिर भी वह पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व से मिलना जारी रखे है। अमेरिकी शासन के कुछ हिस्से खफा हैं कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखे है। इसी बीच, रूस विश्व का पहला देश बन गया जिसने तालिबान सरकार को मान्यता दी है, मकसद है एशिया के भीतरी हिस्से में प्रभाव बढ़ाना। वह तालिबान जो पाकिस्तान का पड़ोसी है और अब दोस्त से दुश्मन बन चुका है।

ज्योति मल्होत्रा

एक चीनी कहावत है ‘काश! हम मजेदार समय में जी सकें’। तेजी से आगे बढ़ती दुनिया में, बीता सप्ताह हमारे आसपास की दुनिया के कुछ रोचक पहलू सामने लाया। मामला कुछ भी हो, हालात का जायजा लेने में सप्ताहांत हमेशा अच्छा समय होता है। जब कभी चीन और पाकिस्तान के नेता मिलते हैं, तो अपने रिश्तों को लेकर, मंत्र सरीखे जिस वाक्यांश का आह्वान करते हैं :‘दोनों मुल्कों का जुड़ाव पहाड़ों से ऊंचा, समुद्र से गहरा और शहद से मीठा है’ झ वह तेजी से एक ऐसी हकीकत बनता जा रहा है, जो भारत के सामने मुंह बाए खड़ी है, चाहे हम जिस ओर भी मुंह घुमाएं। भारतीय सेना के उप-सेनाध्यक्ष, जनरल राजीव सिंह द्वारा चीन को लेकर की गई यह वाकपटु टिप्पणी कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसका तरीका ‘उधार के चाकू से काम चलाने’ वाला रहा,जब उसने भारत को चोट पहुंचाने के लिए हर कदम पर पाकिस्तान की मदद की झ यह इस बात की पुष्टि है, अगर पुष्टि करना जरूरी है, कि चीन ही भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है। दो अन्य कारक भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। पहला, कि चीन का मुख्य प्रतिद्वंद्वी, यानि अमेरिका, वह भी पाकिस्तानियों के प्रति ज्यादा गर्मजोशी दिखा रहा है। दूसरा, अब जबकि दलाई लामा ने गत सप्ताहांत में उम्र के 90 साल पूरे कर लिए हैं, और अपने पुनर्जन्म को लेकर अटकलों को खुद ही यह कहकर विराम लगा दिया है कि उनका अगला जन्म चीन से बाहर होगा, एक आज़ाद और लोकतांत्रिक देश में, मसलन भारत-हालांकि, अभी साफ नहीं कि इस बदलती स्थिति पर केंद्र सरकार का नजरिया क्या रहेगा। अब लग रहा है कि इस सप्ताह क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की वाशिंगटन में होने जा रही बैठक से ऐन पहले जारी व्यक्तव्य में, पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान का नाम बतौर प्रायोजक लेने से परहेज रखा गया ,हालांकि ‘सीमा पारीय आतंकवाद’ की निंदा की गई है, एक सहमतिपूर्ण जुमला, जो संकेत देता है इससे परे जाकर कुछ नहीं कहा जाएगा- वहीं इसी वक्त पाक वायुसेनाध्यक्ष ज़हीर अहमद बाबर सिद्धू भी अमेरिकी राजधानी में

मेजबानी का लुत्फ ले रहे हैं। सिद्धू की यात्रा पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के अमेरिका दौरे का अगला सिलसिला है, जब उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ असाधारण मुलाकात का मौका देकर नवाज़ा गया था। इसी बीच, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता वार्ता अपनी परिणति की ओर है और भारतीय दल घर वापसी कर चुका है। अगर भारत अपना कृषि क्षेत्र खोले बिना अपना काम निकाल पाया, तो यह बड़ी जीत होगी। अमेरिका इसे पाकिस्तान के साथ संबंध बढ़ाने के बदले में एक कदम के रूप में भी देख सकता है। लेकिन यहीं आकर इन दिनों चीजें बिगड़ने लगती हैं। अमेरिका को मालूम है कि मोदी सरकार के लिए पाकिस्तान का नाम घृणास्पद है, लेकिन फिर भी वह पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व से मिलना जारी रखे है। अमेरिकी शासन के कुछ हिस्से खफा हैं कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखे है। इसी बीच, रूस विश्व का पहला देश बन गया जिसने तालिबान सरकार को मान्यता दी है, मकसद है एशिया के भीतरी हिस्से में प्रभाव बढ़ाना। वह तालिबान जो पाकिस्तान का पड़ोसी है और अब दोस्त से दुश्मन बन चुका है। क्वाड वक्तव्य में कम-से-कम पहलगाम का जिक्रतो आया, भले पाकिस्तान का नाम सीधे न लिया हो। जबकि,पिछले हफ्ते, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन-नीत शंघाई सहयोग संगठन द्वारा जारी संयुक्त वक्तव्य पर दस्तखत करने से मना कर दिया था, क्योंकि इसमें न तो इस जघन्य कांड के पीछे रहे मुल्क का जिक्रथा, न जगह का। बड़ा सवाल, बल्कि कई सारे सवाल यह हैं कि हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र को लेकर बनाए ताकतवर समूह क्वाड में, जिसमें भारत मुख्य सहयोगी है, वह भी भारत द्वारा कही बातों का पूरा समर्थन क्यों नहीं करता। ये मुल्क, जानते हुए भी कि उनके एक सहयोगी क्वाड मुल्क को पाक-प्रायोजित आतंकी हमले से आघात लगा है, पाकिस्तान का सीधा नाम लेने से क्यों कतरा रहे? इतना ही नहीं, भारत इस नज़रिए को बदलने के लिए क्या कर सकता है? साफ है, मनगढ़ंत कहानियों पर काबू पाने के इरादे से मोदी सरकार ने पाकिस्तानी हॉकी टीम को भारत में होने जा रही दो प्रतियोगिताओं में खेलने की इजाजत दी। यानि एशिया कप और जूनियर वर्ल्ड हॉकी कप (पुरुष) में पाक हॉकी टीम खेलेगी, भले इसका कारण बताया जा रहा कि ये प्रतियोगिताएं द्विपक्षीय मैच न होकर अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी में आती हैं। ज्यादा रोचक रहा पंजाब भाजपा इकाई को दिलजीत दोसांझ के बचाव में खड़े होते देखना कि किसलिए इस देशभक्त अभिनेता की ट्रोलिंग की जाए और उसकी फिल्म पर लगा प्रतिबंध हटाया जाए केवल इसलिए कि उसमें पाकिस्तानी अभिनेत्री ने काम किया है। कुछ दिन पहले, सरकार ने माहौल का जायजा लेने के लिए, पाकिस्तान की कुछ नामी हस्तियों जैसे शोएब मलिक, शाहिद अफरीदी और मावरा होकेन के कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स से प्रतिबंध हटाया था झ लेकिन सोशल मीडिया पर इस कदम की प्रतिक्रिया देख इनको फिर से ब्लॉक करना पड़ा। रोचक है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता को रेखांकित करती सूचना का कुछ भाग ब्लॉक किए गए इन सोशल मीडिया अकाउंट्स पर आता रहा- मसलन, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ के मुख्य सहयोगी राणा सनाउल्लाह का मशहूर पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर (उनका अकाउंट भी भारत ने ब्लॉक किया है) के साथ बातचीत में यह कहना कि पाकिस्तान उस वक्त बुरी तरह दवाब में आ गया था, जब नूर खान हवाई वायुसेना अड्डे पर भारतीय ब्रह्मोस मिसाइलों ने बुरी तरह कहर बरपा दिया था। राणा सनाउल्लाह के मुताबिक, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के पास महज तीस-चालीस सेकंड ही यह तय करने के लिए थे कि किया क्या जाए। उन्होंने कहा : यदि हम भी अपनी मिसाइलें छोड़कर प्रत्युत्तर देते तो इससे टकराव में और विस्तार होता। स्पष्टतः, सनाउल्लाह पाकिस्तानी खेमे की पतली हुई हालत को स्वीकार कर गए, जब 10 मई की रात भारतीय वायु सेना ने अपनी कार्रवाई से निर्णायक तौर पर मामला निबटा दिया था। आजकल इस इंटरव्यू के छोटे-छोटे अंश सोशल मीडिया पर चले हुए हैं झ लेकिन जरा अंदाजा लगाएं कि घुमाकर पेश किए गए इन प्रारूपों की बजाय अगर पूरा इंटरव्यू भारतीयों को देखने को मिलता, तो कितना प्रभाव पड़ता। बीते सप्ताह का अन्य बड़ा मुद्दा रहा, दलाई लामा के बारे में सवाल। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू, जो खुद भी उस अरुणाचल प्रदेश से हैं जिसके त्वांग में छठे दलाई लामा पैदा हुए थे और जहां से होकर वर्तमान 14वें दलाई लामा ने 1959 में तिब्बत से पलायन करने के बाद भारत में प्रवेश किया था। उनको लेकर पिछले कुछ दिनों से इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि तिब्बती बौद्ध पवित्र संस्थानों के मामले में क्या होना चाहिए, इस बारे में और कोई नहीं (अर्थात चीन) बल्कि स्वयं वे ही तय कर सकते हैं। जो भी निर्णय प्रवास में रह रहे तिब्बती लोग अपने लिए तय करेंगे, मोदी सरकार कमोबेश उसके साथ चलना चाहेगी, लेकिन सब पक्षों को बखूबी पता है कि आज की कठोर दुनिया में, जहां हरेक मुल्क अपने हित बचाना चाहता है, इसकी संभावना कम ही है कि भारत सरकार अपने जोखिम पर चीन को नाराज़ करना चाहेगी। पुराने वक्त के लोगों को याद होगा कि कैसे लगभग दस साल पहले प्रधानमंत्री मोदी और दलाई लामा के बीच गुप्त बैठक हुई थी, जब प्रधानमंत्री से मिलवाने के लिए तिब्बती धर्मगुरु को काले शीशों वाली और बिना नंबर प्लेट की कार में ले जाया गया था। आज की तारीख में, भारत का मानना है कि आस्था के मामलों में वह कोई रुख नहीं रखना चाहेगी, हालांकि धार्मिक स्वतंत्रता को बरकरार रखेगी। सवाल यह है, इस कूट-संदेश के मायने क्या हैं?

लेखिका ‘द ट्रिब्यून’ की प्रधान संपादक हैं।

संपादकीय

हिंदू-मुसलमान के बीच धार्मिक समभाव, सौहार्द रहे

कांवड़-यात्रा 11 जुलाई से आरंभ हो रही है। इन सालों में जो सांप्रदायिक तनाव दिखा है, नफरत महसूस की है, कमोबेश 10 साल पहले ऐसा माहौल नहीं था। हालांकि हिंदू-मुसलमान भारतीय राजनीति का शाश्वत भाव रहा है, लेकिन कांवड़-यात्रा के दौरान मुसलमान भी शिव-भक्तों की खूब सेवा करते दिखाई दिए हैं। शिविर लगाए जाते रहे हैं, भोजन परोसा जाता है, मीठा पानी पिलाया जाता है, शिव-भक्तों के जख्मों की प्राथमिक चिकित्सा भी की जाती रही है।कांवडियों के पैरोकारों ने पैंट ही उतरवाई थी। उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा उसे ‘सांप्रदायिक मोड़’ दे दिया गया, यह जांच पुलिस कर रही है। प्राथमिकी में 6 आरोपितों के नाम हैं। सभी हिंदूवादी संगठनों के बताए जा रहे हैं। इस घटना में एक स्वयंभू बाबा भी कूद पड़े हैं, जो उसी इलाके में योग-साधना सिखाते हैं। उन्होंने धमकी दी है कि यदि कोई केस बनाया गया, तो देश भर में आंदोलन छेड़ दिया जाएगा। बाबा ने पैंट उतारने की घटना को फर्जी करार दिया है। यहां बेहद गंभीर सवाल यह है कि क्या राज्य सरकारों की कानून-व्यवस्था बेलगाम और हिंदू दबंगइयों के हाथ है? उप्र देश का सबसे बड़ा राज्य है और राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी झटका लगा था। उसके बाद भाजपा नेता ऑफ दि रिकॉर्ड कहते रहे हैं कि हम ऐसा हिंदू-मुसलमान करेंगे कि सब देखते रह जाएंगे। क्या वही राजनीति सामने आ रही है? बहरहाल पुलिस विशेषज्ञों का मानना है कि इलाके के ढाबों, होटलों और खोमचेवालों के नाम, पिता का नाम, मोबाइल, पता आदि का संपूर्ण डाटा ‘बीट कांस्टेबल’ के पास होता है। तो फिर जांच के लिए छापामारी करने को हिंदू दबंगइयों को किसने निर्देश दिए थे? हरी झंडी दिखाई थी? यह हरकत आपराधिक और दंडनीय है, लेकिन माना जाता है कि ये कथित हिंदू हुड़दंगी एक निश्चित राजनीतिक संरक्षण में पलते रहे हैं।। उप्र और उत्तराखंड में कांवड़-यात्राएं आयोजित की जाएंगी, जबकि कश्मीर में ‘अमरनाथ यात्रा’ शुरू हो चुकी है। उस यात्रा के दौरान प्रबंध करने वाले सभी मुसलमान होते हैं। वहां हिंदू-मुसलमान के बीच धार्मिक समभाव, सौहार्द क्यों है?

सबकी हो गिनती, तभी जनगणना का मतलब

पुनीत सिंह सिंघल

जनगणना लोगों की गिनती भर नहीं। यह योजना, नीति और राजनीतिक ताकत की बुनियाद है। क्या होगा जब यह गिनती अधूरी रह जाए, अनजाने में लाखों लोग इससे बाहर रह जाएं? भारत में विकलांग लोगों के संदर्भ में यह सवाल सैद्धांतिक नहीं, जीती-जागती सच्चाई है। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी और तब भारत की आबादी का सिर्फ 2.2 फीसदी हिस्सा विकलांगता से पीड़ित पाया गया। यह आंकड़ा खासा विवादित है। विश्व बैंक और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमानों के मुताबिक, दुनिया में विकलांगता करीब 15 फीसदी है। इसका मतलब है कि भारत में इनकी संख्या तकरीबन 20 करोड़ होनी चाहिए। यानी इतने लोग गिनती में आने चाहिए, लेकिन उनके सामने नहीं गिने जाने का जोखिम है। इतने बड़े पैमाने पर छूटने को संख्या में अंतर के रूप में नहीं बल्कि पहचान से महरूम किए जाने के तौर पर देखा जाना चाहिए। जब विकलांगता को गायब कर दिया जाता है, तो वह महत्वहीन भी हो जाती है। न तो सेवाओं की योजना बनाते समय और न ही बुनियादी ढांचा खड़ा करते समय विकलांगों को ध्यान में रखा जाता है। और इस तरह, अधिकार आकांक्षाएं बनकर रह जाती हैं। स्कूल भवनों से लेकर जॉब पोर्टल तक हर जगह उन्हें नजरअंदाज किया जाता है और ऐसे बहिष्कार की शुरुआत गलत गिनती से होती है। समस्या आज की नहीं। इसकी जड़ें औपनिवेशिक युग की उस सोच में हैं, जिसमें विकलांगता को एक दोष माना जाता था, ऐसा दोष जिसके प्रति दया का भाव रखना चाहिए। 1872 में हुई पहली भारतीय जनगणना में ‘अशक्तता’ पर अस्पष्ट प्रश्न रखे गए थे। परिणाम अविश्वसनीय आए

और उसके बाद इन प्रश्नों को हटा दिया गया। दुनिया भर में बने माहौल के बाद 1981 की जनगणना में विकलांगता को फिर से शामिल किया गया, लेकिन परिभाषा संकीर्ण और कार्यप्रणाली तब भी खराब ही रही। विकलांगता की गणना दिखने वाले कारकों पर निर्भर करती है। अदृश्य और संज्ञानात्मक विकलांगताओं की अनदेखी कर दी जाती है। कलंकित होने के भय से परिवार के लोग भी इसे छिपाते हैं। अगर प्रमाणपत्र न हो तो ऐसे लोगों को विकलांग मानने से सिरे से खारिज कर दिया जाता है। बिना प्रमाण पत्र वाले कई लोगों को पूरी तरह से खारिज कर दिया जाता है। ये खामियां यूं ही नहीं। वे व्यवस्थात्मक पूर्वाग्रहों और धारणाओं को दिखाती हैं कि कौन गिनने लायक हैं। सरकार ने घोषणा की है कि 2026-27 की जनगणना में विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत सूचीबद्ध सभी 21 श्रेणियां शामिल होंगी। कागज पर यह बड़ा बढ़िया दिखता है। अधिकारियों का कहना है कि वे कार्यात्मक प्रश्नों और सांकेतिक भाषा का उपयोग करेंगे, लेकिन इसे कैसे लागू किया जाएगा, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं। संरचनात्मक बदलावों के बिना यह बड़ी आसानी से महज दिखावा होकर रह जा सकता है- क्योंकि केवल अधिसूचना इसकी गारंटी नहीं है कि यह अभ्यास ईमानदारी से या जरूरत के मुताबिक किया जाएगा। अभी इस पर कोई स्पष्टता नहीं कि गणनाकर्ताओं को कैसे प्रशिक्षित किया जाएगा, सर्वेक्षणों में विकलांगता को कैसे परिभाषित किया जाएगा, या बिना प्रमाणपत्र वाले मामलों में क्या किया जाएगा। साफ है, गलत गिनती का वास्तविक खतरा अब भी बना हुआ है। जनगणना प्रक्रिया को वास्तव में समावेशी बनाने के लिए, सरकार को विकलांग व्यक्तियों और उनके प्रतिनिधि संगठनों को प्रक्रिया के केन्द्र में रखना होगा। सिविल सोसाइटी समूहों, ऐक्टिविस्ट और अनुभवी लोगों को इस प्रक्रिया की योजना, प्रशिक्षण और समीक्षा के विभिन्न चरणों का हिस्सा बनाना चाहिए। गणनाकर्ताओं को न केवल परिभाषाओं पर बल्कि सही भाषा का उपयोग करने और गोपनीयता का सम्मान करने के तरीके पर भी प्रशिक्षित करने की जरूरत होगी। उन्हें ऐसे प्रश्न पूछने के लिए निर्देश और प्रशिक्षण- दोनों की जरूरत होगी, जिसे साबित करना न पड़े। जैसेः ‘क्या आपको देखने, याद रखने, सुनने या चलने में कठिनाई होती है?’ किसी व्यक्ति के ‘विकलांग’ होने के बारे में पूछने की तुलना में इस तरह से बेहतर जवाब पा सकते हैं। सरकार को इसके लिए बड़ा जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। लोगों को पता होना चाहिए कि गिने जाने के लिए प्रमाण-पत्र होना जरूरी नहीं। ऑटिस्टिक बच्चों से लेकर बाईपोलर डिसऑर्डर के शिकार वयस्कों तक, तमाम लोग केवल इसलिए डेटा में नहीं आ पाते क्योंकि उन्हें नौकरशाही का खौफ होता है या फिर इस बात का कि लोग क्या कहेंगे। और संख्या में कम होने का सीधा-सीधा राजनीतिक परिणाम होता है। इसलिए जरूरी है कि गिनती का काम ऐसे किया जाए कि विकलांग व्यक्ति अपनी स्थिति का खुलासा करने में सुरक्षित महसूस करें। जब तक लोगों को लगता है कि विकलांग के रूप में पहचाने जाने से उन्हें नुकसान होगा, वे चुप रहेंगे। एक मददगार माहौल बनाने के लिए सार्वजनिक संदेश, कानूनी सुरक्षा और संस्थागत जवाबदेही की जरूरत होती है। परिसीमन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उच्च विकलांगता आबादी वाले क्षेत्रों को पुनःसीमांकन प्रक्रिया में खंडित न किया जाए। इन समुदायों को विभाजित करने से उनका सामूहिक राजनीतिक प्रभाव और अधिकारों और पात्रता तक पहुंच कमजोर हो जाती है। जनगणना से पहले ही सभी संस्थानों को अपनी प्रथाओं की समीक्षा करनी चाहिए। उनके पास कितने विकलांग कर्मचारी हैं? क्या जॉब पोर्टल उनके मददगार तकनीक के अनुकूल हैं? क्या विविधता नीतियों में न्यूरोडाइवर्जेंस शामिल है? क्या सार्वजनिक इमारतें वास्तव में सुलभ हैं या सुलभता का दिखावा भर कर रही हैं? डेटा सही होने का चौतरफा असर होता है। गिनती में विफल होने का मतलब है योजना बनाने में विफल होना। और योजना बनाने में विफल होने का सीधा सा मतलब है बहिष्कृत हो जाना। न केवल इस बार की जनगणना देरी से हो रही है; बल्कि विकलांग व्यक्तियों को न्याय दिलाने में भी देरी हो रही है। भारत के पास दशकों की चूक को सुधारने का मौका है। लेकिन आगे का रास्ता केवल घोषणाओं से तय नहीं किया जा सकता। इसके लिए भरोसा बनाना होगा, गिनती करने वालों को सही तरह से प्रशिक्षण करना होगा और यह सारा काम पूरी पारदर्शिता के साथ होना होगा। विकलांगों की गिनती कोई दानकर्म या अनुपालन से जुड़ा विषय नहीं। यह हर जिंदगी, इसके हर रूप और स्वरूप को ससम्मान स्वीकार करने के बारे में है। एक अच्छी जनगणना सभी की गिनती करती है। एक सार्थक जनगणना सुनती है, सीखती है और बदलाव लाने में मदद करती है।

धातुओं से भरे चार क्षुद्र ग्रहों पर विज्ञानियों की नजर

विजय गर्ग

नैनीताल क्षुद्र ग्रह (स्टेरायड) धरती से टकरा जाएं तो ये बड़ा खतरा उत्पन्न कर सकते हैं। साथ ही, जीवन की उत्पत्ति के रहस्य उजागर करने के अलावा बेशकीमती धातु भी प्रदान कर सकते हैं। इन्हीं संभावनाओं को लेकर अमेरिकन व यूरोपियन स्पेस एजेंसी समेत दुनिया भर के विज्ञानियों की नजर सौर मंडल के चार क्षुद्र ग्रहों पर है। धरती व चंद्रमा से टकराने की आशंका को लेकर विज्ञानी इन पर निगाह रखे हुए हैं। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगौल विज्ञानी डा. शशिभूषण पांडेय के अनुसार, पृथ्वी के चारों और क्षुद्र ग्रहों का बड़ा संसार है। ये आए दिन पृथ्वी के करीब से गुजरते रहते हैं। इनमें से दो क्षुद्रग्रह ऐसोफिश व 2024 बाईआर-4 है। एपोफिस तीन फुटबाल मैदानों के बराबर यानी करीब 400 मीटर का है। यह पृथ्वी से टकरा गया तो धरती के बड़े भूभाग के साथ लाखों जिंदगियां मिटा सकता है। मिस्र की पौराणिक कथाओं में एपोफिस अराजकता और विनाश का देवता माना जाता है। इसी आधार पर विज्ञानियों ने इसका नाम एपोफिस दिया है। इसे वर्ष 2004 में खोजा गया था। तब से ही इस पर

नजर रखी जा रही है। पूर्व में हुई गणना के अनुसार इसके 13 अप्रैल 2029 को टकराने की संभावना जताई जा रही थी। बाद में नास की नई गणना के अनुसार इसके कम से कम अगले 100 वर्षों तक टकराने की कोई आशंका नहीं है। रोचक यह है कि पृथ्वी के नजदीक पहुंचने पर इसे कौरी आंखों से देखा जा सकेगा। डा. पांडेय के अनुसार, दूसरा क्षुद्र ग्रह 2024 बाईआर 4 है। इसके पृथ्वी से टकराने की आशंका से इनकार नहीं किया जा रहा है। इसका आकार लगभग 53 से 67 मीटर के बीच है। इसकी खोज वर्ष 2024 में हुई थी। हालिया गणना में इसके वर्ष 2032 में पृथ्वी से टकराने की मामूली आशंका जताई गई थी लेकिन नासा ने इस आशंका को खारिज कर दिया है। इसके चंद्रमा से टकराने की आशंका बनी हुई है। इनके अलावा डिडिमोस और डिमार्फोस हैं। वर्ष 2022 में नस ने डबल एस्टेरायड रिडायरेक्शन टेस्ट (डार्ट) मिशन के तहत एक प्रोब यान डिमार्फोस से टकराया था। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य यह जांचना था कि भविष्य में यदि किसी क्षुद्र ग्रह पृथ्वी से टकराने की आशंका होती है तो उसे कैसे दूर किया जा सकता है। इस सफल मिशन को पृथ्वी से एक करोड़ किमी की दूरी से पर आजमाया गया था। डा. पांडेय कहते हैं कि इन्हीं क्षुद्र ग्रहों के जरिए पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति की गुत्थी को सुलझाया जा सकता है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

जदूयू रास्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा का भाजपा नेता राकेश सिंह ने अंग वस्त्र बुके और बाबा हरिहरनाथ का प्रसाद खिलाकर स्वागत किया

पटना ,।

राजयसभा सांसद जदूयू रास्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा का स्नेहपूर्ण स्वागत-अभिनंदन भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने अंग वस्त्र बुके और बाबा हरिहरनाथ का प्रसाद खिलाकर स्वागत किया और बधाई दिया और इस अवसर पर लोगो का आने जाने का लगा रहा ताता और लोगो कि समस्या को भी सुना और समाधान किया इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा की इनके कार्यकाल मे पार्टी मजबूती से आगे बढ़ रही है और अब देश से लेकर विदेश तक कार्य की चर्चा हो रही है और उनको सावन मे बाबा हरिहरनाथ मंदिर आने का निमंत्रण दिया और उन्होंने निमंत्रण सहज स्वीकार किया और इसके लिए संजय झा जी ने भी लोगो के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया ।

बाइक के साथ पुलिस ने किया युवक को गिरफ्तार

रिपोर्ट- अनुमंडल संवादाता

गोह। उपहारा थाने के एंडडी गांव में पुलिस ने छापेमारी कर स्थानीय निवासी पंकज पासवान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष मनेश कुमार ने बताया कि पकड़े गए युवक के पास से चोरी की बाइक बरामद हुआ है। बाइक का नंबर प्लेट भी फर्जी निकला। आरोपित ले खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

9 जुलाई को बिहार बंद का राजद ने किया आहवान, भारत बंद को राजद का समर्थन

मजदूर और किसान की लड़ाई के साथ बिहार के मतदाताओं के अधिकार की रक्षा के लिए तेजस्वी यादव उतरेंगे सड़कों पर

जमालपुर।

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष मतदाता पुनरीक्षण 2025 के खिलाफ हल्ला बोल करने में टूट गया है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजद नेता तेजस्वी यादव के आह्वान पर राष्ट्रीय जनता दल की ओर से मुंगेर प्रमंडल में आगामी 9 जुलाई को बिहार बंद को सफल बनाने की दिशा में राजद नेता आम जनता के साथ-साथ व्यवसायियों और विभिन्न सेवा प्रदाताओं को बिहार बंद के दौरान उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील कर रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रमंडल प्रभारी राजेश रमण उर्फ राजू यादव ने मुंगेर प्रमंडल के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालक, निजी संस्थान, फुटकर विक्रेताओं और वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि बुधवार 9 जुलाई को राजद कार्यकर्ता महागठबंधन के नेताओं के साथ मिलकर चुनाव आयोग के पुनरीक्षण के फैसले को नकारते हुए अपना आक्रोश प्रकट करेंगे। राजेश रमण ने कहा कि बिहार में जिस तरह से गरीबों से उनके मत का अधिकार छीनने की कोशिश की जा रही है, तेजस्वी यादव के आह्वान पर हम बिहार के हर मतदाता के हक की रक्षा के लिए चक्का जाम तक करेंगे। लेकिन हम बिहार में वोट का अधिकार किसी को छीनने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की श्रमिक विरोधी, किसान विरोधी और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संयुक्त ट्रेड यूनियनों और संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से प्रस्तावित भारत बंद को राष्ट्रीय जनता दल की ओर से अपना समर्थन दिया जाएगा। 17 सूत्री मांगों के साथ सड़कों पर उतर रहे मजदूर और किसान की लड़ाई में महागठबंधन भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगा और देश के मजदूरों और किसानों के साथ-साथ बिहार के मतदाताओं के अधिकार को बचाए रखने के लिए तेजस्वी यादव के नेतृत्व में पूरा बिहार बुधवार को ठप रहेगा।

बबरगंज थाना में एंटी करप्शन इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो की टीम द्वारा पौधारोपण

दिव्य दिनकर

बबरगंज थाना में भ्रष्टाचार निरोधक जांच ब्यूरो के पदाधिकारी द्वारा एक पौधा एक सन्तान अभियान के तहत 19 पेड़ पुलिस अवर निरक्षक प्रशांत कुमार ,राहुल कुमार पुलिस अवर निरक्षक, शुभम कुमार । एवं स्थानीय लोगों , एवं पुलिस टीम, ० अन्य के द्वारा बबरगंज थाना परिसर में पौधारोपण का कार्य थानाध्यक्ष रवि शंकर के निगरानी में करवाया गया नव निर्मित पुलिस भवन के प्रांगण में सभी पौधे लगाए जा रहे है। एंटी करप्शन के स्टेट ऑफिसर पुलिस सेल बिहार प्रभारी विष्णु कुमार द्वारा थानाध्यक्ष से मुलाकात कर एक पौधा एक सन्तान के समान अभियान के बारे में चर्चा कर अभियान द्वारा वृक्षों की रक्षा के बारे में बताया गया, कैसे एक वृक्ष संतान के समान होता है थानाध्यक्ष के सकारात्मक सहयोग से सभी पौधों का विधिवद तरीके से पौधारोपण कार्य करवाया गया। बबरगंज थाना प्रभारी अपने बेहतर कार्य एवं कार्यशैली के लिए भी जाने जाते है ये सामाजिक कार्यों में अपनी सहभागिता को सकारात्मक रूप से स्थापित करते हैं। इस पर्यावरण अभियान के लिए निःशुल्क पौधा भागलपुर वन प्रमंडल पदाधिकारी श्वेता कुमारी द्वारा मुहैया कराया गया हैं । सभी पौधा सन्तान समान होते है, और हमारी कोशिश भी यही होनी चाहिए कि , अधिक से अधिक पौधे लगाए और जो पौधे बड़े हो चुके है उनकी सुरक्षा करे । वन प्रमंडल पदाधिकारी श्वेता कुमारी द्वारा किसानों के लिए भी कई सारी योजनाएं चलाई जा रही है । अगर किसान चाहे तो अपने खाली जमीनों पर पौधा लगवा सकते है इसके लिए भागलपुर वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी से मिल कर योजना का लाभ ले सकते है। भागलपुर में एंटी करप्शन इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो की टीम लगातार लोगों से जुड़ने के लिए हर तरह की पहल कर रही है । और जनता से जागरूक होने की अपील करती है ताकि आप करप्शन फ्री इंडिया में हर व्यक्ति अपनी भूमिका निभा सके और भ्रष्ट मुक्त समाज का निर्माण हो सके।

अश्विनी वैष्णव द्वारा कपूरीग्राम स्टेशन के उन्नयन एवं कपूरीग्राम स्टेशन के पश्चिम छोर पर सब-वे के निर्माण का किया गया शिलान्यास

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर उपस्थित रहे

हाजीपुर

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आज बिहार के दौरे पर पटना पहुंचे । इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सर्वप्रथम दीघा ब्रिज हाल्ट का निरीक्षण किया । तत्पश्चात रेल मंत्री ने दीघा ब्रिज हाल्ट से कपूरीग्राम के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। आज के रेल मंत्री के बिहार के दौरे के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, दरभंगा के सांसद गोपाल जी ठाकुर, समस्तीपुर की सांसद श्रीमती शांभवी, बिहार विधान परिषद के विधायक डॉक्टर तरूण कुमार एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे । कपूरीग्राम स्टेशन पर माननीय रेल मंत्री द्वारा कपूरीग्राम स्टेशन के उन्नयन एवं कपूरीग्राम स्टेशन के पश्चिमी छोर पर सब-वे के निर्माण का शिलान्यास किया गया । शिलान्यास के उपरांत रेल मंत्री कपूरीग्राम स्टेशन पर प्रेस प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए कहा कि कपूरीग्राम स्टेशन का 3.30 करोड़ रुपये की लागत से उन्नयन कार्य किया जाएगा जिसके तहत स्टेशन का रिमॉडलिंग एवं स्टेशन पर यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराया जाएगा । साथ ही कपूरीग्राम स्टेशन पर 18 फीट चौड़ा एफओबी का निर्माण किया जाएगा इसके साथ ही स्टेशन के पश्चिमी छोर पर 14 करोड़ रुपये की लागत से एक सब-वे का निर्माण कराया जाएगा । यह सब-वे न केवल रेल परिचालन को अधिक सुगम और संरक्षित बनाएगा बल्कि रेलवे लाइन के दोनों ओर स्थित गांवों और बस्तियों को जोड़ते हुए सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी एक नई गति प्रदान करेगा ।

इसके उपरांत माननीय रेल मंत्री कपूरीग्राम से विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए समस्तीपुर स्टेशन पहुंचे जहां उन्होंने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा यात्रियों से बातचीत कर उनसे फीडबैक लिए । इसके बाद उन्होंने समस्तीपुर मंडल के उन्नयनीकृत कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर ट्रेनों के संरक्षित एवं सुचारू परिचालन के संबंध में उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए । इसके उपरांत रेल मंत्री की अध्यक्षता में समस्तीपुर मंडल के सभागार में एक उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मंत्री जी द्वारा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए और परियोजनाओं को समय-सीमा के अंदर पूरा करने पर बल दिया । आज के इस दौरे के दौरान रेल मंत्री ने कहा कि माल यातायात में रेल की हिस्सेदारी 20 से 29 प्रतिशत हो गया जिसे बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले 11 सालों में भारतीय रेलवे पर 35000 किमी से ज्यादा का नया रेलवे ट्रैक का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि अब रेल ओवर ब्रिज (ROB) का निर्माण केन्द्र सरकार द्वारा ही बनाया जाएगा । उन्होंने रेलवे में नियुक्ति हेतु वार्षिक कैलेण्डर जारी किया गया है जिसमें और सुधार किया जा रहा है ताकि तय समय पर परीक्षा का आयोजन किया जा सके ।

उन्होंने कार्य की गुणवत्ता के लिए अतिरिक्त प्रयास करने निर्देश दिए ताकि जमीन पर लोगों को गुणवत्ता युक्त कार्य दिख सके । समस्तीपुर मंडल में वर्तमान में 1265 कोचों के रख-रखाव किया जा रहा है । इन प्रत्येक कोचों में 06 कैमरा तथा प्रत्येक इंजनों में 08 कैमरा निर्धारित समय में लागने का रेल मंत्री द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिया गया । उन्होंने सघन आबादी वाले क्षेत्रों में जहां आरओबी बनाया जाना संभव न हो वैसे जगहों पर लाइट आरओबी के निर्माण का निर्देश दिए । कंटेनर सेवा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आवश्यकतानुसार कंटेनर डिपो के निर्माण का निर्देश दिए । उन्होंने पूर्व मध्य रेल को भारतीय रेल का पहला ऐसा जोन बनाने का निर्देश दिया जो शत-प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से युक्त हो । आज दौरे के अंतिम चरण में पटना में संवाददाताओं से वार्ता करते हुए माननीय रेल मंत्री जी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में बिहार में रेल परियोजनाओं के लिए आवश्यकतानुरूप धन उपलब्ध कराया गया है। पिछले 11 वर्षों में माननीय प्रधानमंत्री जी बिहार में रेलवे के विकास के लिए बजट को लगभग 10 गुना बढ़ाकर 10 हजार करोड़ से ज्यादा कर दिया गया है। पिछले 11 वर्षों में काफी लंबित रेल परियोजनाओं को पूरा किया गया है। माननीय रेल मंत्री जी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा बिहारवासियों के सुगम आवागमन हेतु कई नई ट्रेनों का सौगात दी जा रही है । इनमें 04 अमृत भारत ट्रेनें - पटना-नई दिल्ली के मध्य प्रतिदिन, दरभंगा-लखनऊ एवं मालदा टाउन-लखनऊ के मध्य एक-एक साप्ताहिक अमृत भारत ट्रेन तथा सहरसा और अमृतसर के मध्य अमृत भारत ट्रेन शामिल हैं । इसके साथ ही सीमांचल से दक्षिण भारत के लिए एक नई ट्रेन जो जोगबनी से इरोड के मध्य चलायी जाएगी । उन्होंने कहा कि जल्द ही बिहार के कुछ नई परियोजनाओं की मंजूरी दी जाएगी जिनमें 1156 करोड़ की लागत से 53 किमी लंबी भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाईन, 2017 करोड रुपये की लागत से 104 किमी लंबी बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया का दोहरीकरण तथा 3000 करोड़ की लागत से 177 किमी लंबी रामपुर हाट-भागलपुर का दोहरीकरण परियोजनाएं शामिल हैं । उन्होंने कहा कि बिहार में जल्द ही दो सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क आफ इंडिया (एसटीपीआई) का उद्घाटन किया जाएगा । इनमें 53 करोड की लागत से पाटलिपुत्र में तथा 10 करोड़ की लागत से दरभंगा में निर्मित एसटीपीआई शामिल हैं । निरीक्षण के दौरान पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह तथा दानापुर, सोनपुर एवं समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

आपसी निदान समस्या का समाधान सभी के लिए है मध्यस्थता का महत्वपूर्ण स्थान - सचिव

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, तान्या पटेल द्वारा आज प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया गया कि अपने वादों को निस्तारण में मध्यस्थता का प्रयोग करें और कहा गया कि स्वच्छ समाज तथा स्वच्छ पारिवारिक वातावरण के निर्माण में मध्यस्थता का महत्वपूर्ण स्थान होता है। सचिव द्वारा बताया गया कि जिला जज द्वारा सभी न्यायालय को निर्देष भी दिया गया है कि अपने न्यायालय से सम्बन्धित वादों को मध्यस्थता केन्द्र भेजें। सचिव द्वारा बताया गया कि अग्रिम जमानत, सुलहनीय वाद के विचारण के दौरान, वाद के निर्णय के पूर्व, दिवानी वाद के दौरान के साथ-साथ घरेलू हिंसा, पारिवारिक मामले में वाद लाने के पूर्व अथवा न्यायालय के कार्रवाई शुरू होने (प्रि-लिटिगेषन) जैसे मामलों के निस्तारण में मध्यस्थता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिसका उपयोग अधिक से अधिक लोगो को करना चाहिए। मध्यस्थता के तहत विवादों को खत्म करने, प्रेम-भाईचारे एवं पक्षकारो के बीच सौहाद्र को पुनः स्थापित करने में काफी कारगर साबित होता है। साथ ही साथ पक्षकारो के विवाद की जड़ अथवा मुख्य कारण पता चलता है और मध्यस्थ यह प्रयास करते हैं कि पक्षकारो की आपसी सहमति से उस कारण को हमेषा के लिए निदान कर दिया जाए। आज के दौर में जिस तरह से विवाद छोटी-छोटी बातों में बढ़ रहा है खासकर पारिवारक मामलों में यह देखा जा रहा है कि पक्षकार छोटी से बात को लेकर परिवार विच्छेद की स्थिति उत्पन्न हो रही है और पति-पत्नी के साथ-साथ बच्चों की भविष्य अंधकारमय हो रहा है इसके निदान में हाल के दिनों में देखा गया है कि मध्यस्थता के माध्यम से कई परिवारों को टूटने से बचाया गया है और उनका परिवार बच्चें आज खुषहाल जीवन जी रहे हैं, बस जागरूकता की आवष्यकता है और समय रहते मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने की जरूरत है। न्यायालय को यह निर्देष है कि वैसे मामलो को मध्यस्थता के लिए मध्यस्थता केन्द्र भेजे, अगर न्यायालय किसी कारणवष नहीं भेजता है तो पक्षकार या अधिवक्ता मामलें को आवष्यक रूप में दोनों पक्षकारो को मध्यस्थता की सलाह देते हुए न्यायालय से अथवा खुद मामले को मध्यस्थता में लाने के लिए प्रयास करें। उन्होंने आमजन से प्रेस, मीडिया एवं

सम्बन्धित समस्त स्टेक होल्डर से इस सम्बन्ध में जागरूकता हेतु अधिक से अधिक पहल करने का अपील किया है। सचिव द्वारा बताया गया कि इधर कुछ दिनों में मध्यस्थता के प्रति लोगो का रूझान बढ़ा है तथा मध्यस्थता के प्रति न्यायालय भी सजग हुआ है जिसे और सजगता की आवष्यकयता है। मध्यस्थता की महता तथा लोगो के बीच मध्यस्थता के प्रति बढ़े रूचि को देखते हुए और अधिक मेहनत तथा प्रचार-प्रसार करने की जरूरत है ताकि लोगों को इसका लाभ मिल सके। सचिव द्वारा यह भी बताया गया कि माननीय बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देष जिसके अन्तर्गत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण ने मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के सहयोग से माननीय मुख्य न्यायाधीष, माननीय सर्वोच्च न्यायालय और माननीय न्यायमूर्ति सह कार्यकारी अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, और अध्यक्ष एमसीपीसी के मार्गदर्षन में विषेष मध्यस्थता अभियान-ह्लह्लमध्यस्थता राष्ट्र के लिएह्लह्ल पुरे भारत में चलाया जा रहा है जो तालुका न्यायालयों, जिला न्यायालयों, और उच्च न्यायालयों में लम्बित मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से निपटाने के लिए 90 दिनों का गहन अभियान है। सचिव तान्या पटेल ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तहत पुरी तरह से प्रषिक्षित मध्यस्थ पक्षकारो के समस्या को सुनकर उनके समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करते हैं और उनका प्रयास लगभग मामलों में सफल रहता है। प्राधिकार अपने स्तर से हर संभव प्रयास करता है कि उन्हें मध्यस्थता के दौरान किसी तरह की कोई परेषानी उत्पन्न न हो और वे खुले एवं मधुर वातावरण में अपने समस्याओं का निपटारा करायें।

जनेश्वर विकास एवं बासमती सेवा केंद्र के द्वारा आयोजित होने वाले मातृ पितृ वंदन महोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित हुई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- मुख्यालय स्थित अधिवक्ता संघ भवन में जनेश्वर विकास एवं बासमती सेवा केंद्र के द्वारा आयोजित होने वाले मातृ पितृ वंदन महोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जनेश्वर विकास केंद्र के अध्यक्ष राम जी सिंह ने की। कार्यक्रम के संदर्भ के तैयारी को लेकर बताते हुए कला कौशल मंच के जिला अध्यक्ष आदित्य श्रीवास्तव ने बताया कि 10 जुलाई से आयोजित होने वाली मातृ पितृ वंदन महोत्सव एवं भिखारी ठाकुर जयंती कार्यक्रम की लगभग तैयारी पूरी हो चुकी है, महोत्सव देव ग्राम चैनपुर में आयोजित हो रहा है। महोत्सव में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट स्थिति के रूप में लगभग नाम की सहमति मिल चुके हैं जिले के कई प्रतिष्ठित व्यक्ति एवं कई प्रशासनिक पदाधिकारी की सहमति मिल चुकी है एमएलसी दिलीप कुमार सिंह,पुलिस उप महानिदेशक शाहाबाद क्षेत्र के डॉ सत्य प्रकाश, जिला अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह, सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ सुधीर मिश्रा,एसडीपीओ संजय पांडे, जेल अधीक्षक डॉ दीपक कुमार, पंचदेव धाम के संस्थापक अशोक कुमार सिंह जैसे जिले के नामचिन्ह लोग शामिल होंगे। महोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यालय के प्रतिभागियों का ऑडिशन आठ जुलाई को दोपहर 12:00 बजे से अधिवक्ता संघ भवन में लिया जाएगा, सभी क्षेत्र से प्रतिभाशाली बच्चों का ऑडिशन लिया जाएगा चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, संगीत प्रतियोगिता सभी प्रतिभाओं का ऑडिशन होगा जो भी महोत्सव में भाग लेना चाहते हैं वह अपना ऑडिशन में भाग लेकर महोत्सव में भाग ले सकते हैं। सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया की जिले के लिए अनोखा कार्यक्रम साबित होगा माता-पिता सास ससुर की सेवा भाव से संतानों को जोड़ने का प्रयास और समाज में जागृति लाने वाला कार्यक्रम है इस कार्यक्रम की पूरे शहर वासियों ने सराहना की है, पूरे शहर वासियों के सहयोग और जन भागीदारी से यह महोत्सव सफल होने जा रहा है। कार्यक्रम के तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है।

कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका अहम : डॉ. प्रेम कुमार

राज्य के चौमुखी विकास में सहभागी बन रहा सहकारिता विभाग : मंत्री

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने, जनता को उसके अधिकारों के प्रति जागृत करने, जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने और अंततः उसका समाधान कराने में मीडिया की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। मीडिया प्रशासन और आम आदमी के बीच संवाद की सीधी कड़ी है जो लोकतंत्र की मजबूती की जरूरी शर्त है। यह बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने रविवार को स्थानीय नगर भवन में नवबिहार टाइम्स के 36 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। नवबिहार टाइम्स की प्रशंसा करते हुए मंत्री ने कहा कि विगत 36 वर्षों से नवबिहार टाइम्स बिहार की आवाज बना हुआ है। उन्होंने नवबिहार टाइम्स के संपादक की सराहना करते हुए कहा कि कमल किशोर के नेतृत्व में नवबिहार टाइम्स ने पत्रकारिता के अपने मापदंड काफी ऊंचे रखे हैं और हमेशा इस अखबार ने सकारात्मक पत्रकारिता की है। उन्होंने कहा कि नवबिहार टाइम्स ने ज्वलंत मुद्दे को उठाया है और सरकार के कामकाज को जनता तक पहुंचाया है। उन्होंने स्मरण किया कि नवबिहार टाइम्स की खबर के आधार पर ही उन्होंने औरंगाबाद के पुराने बरगद वृक्ष को संरक्षित वृक्ष की घोषित किया था। उन्होंने नवबिहार टाइम्स के प्रति आभार जताया कि उनके विभाग की योजनाएं भी जन-जन तक प्रचारित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र और राज्य की एनडीए सरकार की विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि आज बिहार में सहकारिता के माध्यम से उपलब्धियां के नए आयाम लिखे जा रहे हैं। आज सहकारिता के माध्यम से कंफेड विश्व के बड़े सहकारी संगठनों में शामिल हो चुका है जिससे करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में पैक्सों को बहुद्देश्यीय सेवा का माध्यम बना दिया गया है और आज ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित पैक्सों से लोगों को हर प्रकार

का लाभ मिल जा रहा है। सब्जी उत्पादकों के लिए भी कंफेड की तर्ज पर सरकारी समितियों गठित की जा रही हैं जो सब्जी उत्पादकों को उचित मूल्य पर बाजार उपलब्ध कराएंगी तथा सब्जी के उत्पादन, संरक्षण, भंडारण आदि की दिशा में सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मखाना उत्पादकों के कल्याण के लिए नीतीश कुमार के निर्देश में उनके विभाग द्वारा मखाना फेडरेशन बनाया जा रहा है जिससे मखाना उत्पादकों को काफी लाभ होगा। इस मौके पर विधायक आनंद शंकर ने कहा कि आज जब पत्रकारिता की निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं ऐसे में नवबिहार टाइम्स निष्पक्ष और सकारात्मक पत्रकारिता का प्रकाश स्तंभ बना खड़ा है। उन्होंने कहा कि औरंगाबाद जैसी जगह से निरंतर 36 वर्षों से एक अखबार का प्रकाशन बहुत महत्वपूर्ण बात है। उन्होंने उसके लिए नवबिहार टाइम्स के संपादक कमल किशोर और उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए निष्पक्ष और सकारात्मक पत्रकारिता बेहद जरूरी है। ऐसे में नवबिहार टाइम्स जैसे समाचार पत्र ने अपनी निष्पक्षता से लोकतंत्र को मजबूती दी है। पूर्व सांसद वीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि उनका लगाव नवबिहार टाइम्स और इसके संपादक कमल किशोर से शुरूआती दौर से रहा है उन्होंने इस अखबार की संघर्ष यात्रा को देखा है लेकिन उसके बावजूद नवबिहार टाइम्स में हमेशा पत्रकारिता के आदर्श को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि अधिकतर अखबार औद्योगिक घराने द्वारा चलाए जा रहे हैं लेकिन नवबिहार टाइम से एक ऐसा अखबार है जो विशुद्ध रूप से एक पत्रकार के द्वारा निरंतर 36 वर्षों से निकाला जा रहा है। इस अवसर पर श्री सीमेंट लिमिटेड के परियोजना प्रमुख अतुल कुमार शर्मा , भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद चंद्रवंशी, जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप , रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष सतीश कुमार सिंह, प्रसिद्ध चिकित्सक सह जदयू के वरिष्ठ नेता डॉ. निर्मल कुशवाहा, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रवि रंजन, राज्य बाल कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, भाजपा नेता अनिल कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए शिक्षाविद सुरेश कुमार गुप्ता, डॉ अजय वर्मा, डॉ विकास कुमार , पतिनाथ पंकज , अभिषेक कुमार समेत एक दर्जन से अधिक हस्तियों को सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन जाने - माने उद्घोषक शंकर कैमूरी एवं प्रेमेंद्र कुमार मिश्रा ने किया । इस अवसर पर देव एंड फ्रेंड्स म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

पतंजलि ने लॉन्च किया दन्त कांति गंडूष ऑयल पुलिंग

एजेंसी

हरिद्वार। पतंजलि ने आज इंडियन डेंटल एसोसिएशन की उपस्थिति में दन्त कांति गंडूष ऑयल पुलिंग नामक उत्पाद लांच किया। यह उत्पाद आयुर्वेद ग्रंथों में उल्लेखित गंडूष विधि पर आधारित है। आयुर्वेद में इसे 'दिनचर्या' का अभिन्न हिस्सा माना गया है। स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण की उपस्थिति में उत्पाद लॉन्चिंग इंडियन डेंटल एसोसिएशन, उत्तराखंड के अध्यक्ष डॉ. राजीव बंसल, सचिव डॉ. विश्वजीत वालिया, कोषाध्यक्ष डॉ. वैभव पाहवा के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह उत्पाद पतंजलि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के तीन वर्षों के अथक पुरुषार्थ और समर्पण का परिणाम है। दन्त कांति गंडूष ऑयल पुलिंग केवल एक दैनिक क्रिया नहीं, यह एक चिकित्सा विज्ञान है, जो आज के समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि चरक संहिता व सुश्रुत संहिता जैसे आयुर्वेद के मूल ग्रंथों में गंडूष को मुँह के स्वास्थ्य की प्रमुख प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया गया है। यह पतंजलि की दंत कांति शृंखला का नवीनतम और अभिनव उत्पाद है। उन्होंने कहा कि इसमें तुम्बरू तेल है, जो दाँतों व मसूड़ों को मजबूत करता है। लौंग तेल है, जो दांत के दर्द में राहत प्रदान करता है।

प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह 5 नए आईपीओ की दस्तक, 9 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान पांच कंपनियां अपना आईपीओ लॉन्च करने वाली हैं। इनमें से एक ट्रैवल फूड सर्विसेज का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि शेष चार आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इन नए आईपीओ के अलावा निवेशकों के पास पिछले सप्ताह खुले दो आईपीओ में 7 जुलाई तक और एक आईपीओ में 8 जुलाई तक बोली लगाने का मौका है। इसी तरह अगले सप्ताह 9 कंपनियां स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करने जा रही हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 7 जुलाई को ट्रैवल फूड सर्विसेज का 2,000 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 9 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 1,045 से 1,100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 13 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 10 जुलाई को होगा। इसके बाद 14 जुलाई को कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। 7 जुलाई को ही केमकार्ट इंडिया का 80.08 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ की क्लोजिंग 9 जुलाई को होगी। आईपीओ के तहत 236 से 248 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 10 जुलाई को होगा। इसके बाद 14 जुलाई को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

टॉप 10 में शामिल देश की 6 कंपनियों का मार्केट कैप 70 हजार करोड़ से ज्यादा गिरा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 4 कंपनी के मार्केट कैप में इस सप्ताह 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 42,149.62 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 70,325.50 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 30 जून से 4 जुलाई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 15,359.36 करोड़ रुपये बढ़ कर 20,66,949.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

सीतारमण ने रियो में रूसी वित्त मंत्री के साथ की बैठक

रियो डी जेनेरियो (ब्राज़ील)। वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के दौरान रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव से मुलाकात की और ब्रिक्स मंच के माध्यम से साझा हितों के लिए विकासशील देशों के हितों को आगे बढ़ाने की दिशा सहयोग करते रहने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। वित्त मंत्री सीतारमण के कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया पर जारी वक्तव्य के मुताबिक दोनों नेताओं ने भारत-रूस के दीर्घकालिक साझेदारी पर चर्चा की। श्रीमती सीतारमण ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार भी व्यक्त किया। वित्त मंत्री ने कहा ,भारत और रूस के बीच आपसी विश्वास और समझ का स्तर अनुकरणीय है तथा हमारी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी लचीली और दृढ़ बनी हुई है। वित्त मंत्री ने 2024 में ब्रिक्स की सफल अध्यक्षता के लिए रूस को बधाई दी और कहा कि भारत साझा हितों के क्षेत्रों में दक्षिण-दक्षिण सहयोग बनाने के लिए ब्रिक्स मंच का लाभ उठाना जारी रखेगा।

जेन स्ट्रीट मामले के बाद बोले सेबी चीफ; नए नियमों की नहीं, अधिक प्रवर्तन और निगरानी की आवश्यकता

एजेंसी

मुंबई । सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने सोमवार को कहा कि हमें नए नियमों की नहीं, बल्कि अधिक प्रवर्तन और निगरानी की आवश्यकता है।

पांडे की ओर से यह बयान ऐसे समय पर दिया गया है, जब जेन स्ट्रीट मामला सामने आने के बाद नए नियमों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मीडिया से बातचीत करते हुए जेन स्ट्रीट मामले पर बोलते हुए सेबी चीफ ने कहा,÷बाजार नियामक के पास सभी प्रकार की धोखाधड़ी और हेराफेरी के खिलाफ कार्रवाई करने की ताकत है और हमारा अंतरिम आदेश इसकी गवाही दे रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जेन स्ट्रीट के लिए जारी किए गए आदेश में काफी विश्लेषणात्मक कार्य किया गया था, हालांकि धोखाधड़ी वाली गतिविधियां कई

तरीकों से की जाती हैं। पांडे ने कहा, हेरफेर करने वाले व्यवहारों को अलग-अलग खिलाड़ियों द्वारा अलग-अलग तरीकों से समझा जा सकता है। ऐसा कोई एक खास तरीका नहीं है जिससे आपको आकलन करना पड़े... हमारे पीएफयूटीपी विनियमों में बहुत स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि बाजार में हेरफेर करने वाले और धोखाधड़ी वाले व्यवहारों की अनुमति नहीं है और विनियमों के अंतर्गत सेबी के पास जांच करने और कार्रवाई करने की सभी शक्तियां हैं। सेबी चेयरमैन ने आगे कहा कि नियामक और एक्सचेंज इस मामले को निगरानी मुद्दे के रूप में देख रहे हैं। सेबी ने जेन स्ट्रीट पर आरोप लगाया गया है कि उसने नियमों के खिलाफ जाकर गलत रणनीतियों के इस्तेमाल से इंडेक्स ऑप्शंस में 43,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा कमाया है। सेबी के अनुसार, जेन स्ट्रीट और इसकी संबंधित संस्थाओं ने बैंक निफ्टी सूचकांक को आर्टिफिशियल तरीके से बढ़ाने और घटाने के लिए एक इंट्रा-डे ट्रेडिंग रणनीति तैयार की। बाजार नियामक ने पाया कि 1 जनवरी, 2023 और 31 मार्च, 2025 के बीच, जेन स्ट्रीट और उसकी संस्थाओं ने 43,289 करोड़ रुपए का चौंका देने वाला मुनाफा कमाया, जो मुख्य रूप से बैंक निफ्टी ऑप्शन से था।

पुष्पा ज्वेलर्स की स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री, अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। ज्वेलरी प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट का काम करने वाली कंपनी पुष्पा ज्वेलर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 147 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 23.81 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 112 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ देर में ही ये शेयर 117.60 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक आ गया। इस तरह अपर सर्किट के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही करीब 20 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। पुष्पा ज्वेलर्स का 98.65 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जून से 2 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.46 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.51 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 78.94 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 13.41 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं।

स्टॉक मार्केट में सिल्की ओवरसीज की मामूली बढ़त के साथ एंट्री, बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। मिंक ब्लैंकेट्स, कंफर्टर्स और बेडशीट्स जैसे प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी सिल्की ओवरसीज के शेयर आज मामूली बढ़त के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री करने में सफल हुए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 161 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 6.2 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 171 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के तुंरत बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर मे ये शेयर गिरकर 162.45 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक 0.90 प्रतिशत के फायदे में हैं। सिल्की ओवरसीज का 30.68 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 से 2 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर

से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 169.93 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.10 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने नई स्टोरेज फैसिलिटी तैयार करने, पुराने कर्ज का भुगतान करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सीडर टेक्सटाइल ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद आई और गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। यार्न बनाने वाली कंपनी सीडर टेक्सटाइल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 140 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 15 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 119 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर में और गिरावट आ गई। दोपहर 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 26 रुपये के नुकसान के साथ 114 रुपये के स्तर पर बने हुए थे। इस तरह पहले दिन ही दोपहर 11:30 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 18.57 प्रतिशत का नुकसान हो चुका था। सीडर टेक्सटाइल का 60.90 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 से 2 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। क्लोजिंग के बाद 3 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया गया था। इस

आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 12.26 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 37.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.04 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी मशीनरी का नवीनीकरण करने, सोलर पावर का इंस्टॉलेशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 220 करोड़ की आय हुई थी। हालांकि इसके अगले वित्त वर्ष 2023-24 में इसकी आय घट कर 191 करोड़ रुपये रह गई। इस दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 11.05 करोड़ रुपये का रहा।

भारत सहित कई देशों के साथ व्यापार वार्ता के बीच अमेरिकी टैरिफ अब 1 अगस्त से होंगे लागू

एजेंसी

नई दिल्ली/वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के देश-विशिष्ट टैरिफ अब 1 अगस्त से प्रभावी होने वाले हैं, जो भारत सहित कई देशों के साथ व्यापार वार्ता के तेज होने के बीच एक अस्थायी राहत प्रदान करते हैं। इससे पहले, अमेरिकी टैरिफ 9 जुलाई से प्रभावी होने वाले थे।अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने रविवार (अमेरिकी समय) को मीडिया से बात करते हुए टैरिफ राहत की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अभी दरें और सौदे तय कर रहे हैं। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि हम 9 जुलाई तक अधिकांश देशों के साथ पत्रों या अंतिम समझौतों के माध्यम से काम पूरा कर लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि आगामी टैरिफ बढ़ोतरी की चेतावनी देने वाले अधिसूचना पत्र

सोमवार (अमेरिकी समय) से जारी होने लगेंगे। ट्रंप ने कहा कि बैठकर 15 अलग-अलग तरह की चीजों पर काम करने से कहीं अधिक आसान नोटिस भेजना होगा। अगर आप संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार करना चाहते हैं तो आपको यही भुगतान करना होगा।अप्रैल में ट्रंप ने अमेरिका के अधिकांश व्यापारिक साझेदारों पर 10 प्रतिशत का बेस टैरिफ और उसके बाद 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की थी। अमेरिका ने अब तक यूनाइटेड किंगडम और वियतनाम के साथ व्यापार सौदों की घोषणा की है। इसी के साथ कुछ और व्यापार सौदे पाइपलाइन में हैं।

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने सीएनएन से कहा, राष्ट्रपति ट्रंप हमारे कुछ व्यापारिक साझेदारों को पत्र भेजकर संदेश देंगे कि अगर वे चीजों को आगे नहीं बढ़ाते हैं तो 1 अगस्त को वे 2 अप्रैल के टैरिफ स्तर पर वापस आ जाएंगे। इसलिए मुझे लगता है कि बहुत जल्द ही बहुत सारे सौदे देखे जा सकते हैं। मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारत का उच्च स्तरीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी अधिकारियों के साथ व्यापार वार्ता के बाद कृषि और डेयरी उत्पादों के व्यापार के संवेदनशील मुद्दे पर अंतिम समझौते पर पहुंचे बिना वाशिंगटन से लौट आया है, जिस पर अमेरिका जोर दे रहा है। इस बीच, ट्रंप ने घोषणा की है कि उन देशों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा जो ब्रिक्स की अमेरिकी विरोधी नीतियों के साथ खुद को जोड़ते हैं।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 500 रुपये से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 100 रुपये की सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। भाव में गिरावट आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,250 रुपये से लेकर 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,100 रुपये से लेकर 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मार्क लोएरे ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। महिलाओं के लिए फुटवियर बनाने वाली कंपनी मार्क लोएरे फैशंस के शेयरों ने कमजोर लिस्टिंग से अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 80 रुपये के स्तर पर ही हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर गिरकर 76 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के ही कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। मार्क लोएरे फैशंस का 21 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 से 2 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से

एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.61 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.60 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 21 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने आउटलेट खोलने, मल्टी पर्पस रैक्स खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 66 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.08 करोड़ रुपये हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध लाभ उछल कर 4.71 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 6 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 42.46 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

स्टॉक मार्केट में वंदन फूड्स की मजबूत एंट्री, मुनाफा वसूली के बावजूद फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। कैस्टर डी-ऑयल केक बनाने वाली कंपनी वंदन फूड्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में गिरावट भी आई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 115 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 8.70 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 125 रुपये के स्तर पर ही हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण दोपहर 11 बजे तक ये शेयर गिरकर 120 रुपये के स्तर पर आ गया था। इस गिरावट के बावजूद 11 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 4.35 प्रतिशत के फायदे में थे। वंदन फूड्स का 30.36 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 से 2 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.75 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 0.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 26.40 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई फैसिलिटी का सेट अप करने, पुराने कर्जों को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 11 लाख रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, लेकिन अगले वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी 64 लाख रुपये का शुद्ध लाभ कमाने में सफल रही। इसके अगले वित्त वर्ष 2023-24 में शुद्ध लाभ उछल कर 2.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में दबाव, सपाट स्तर पर सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों ने एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू कर दी, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.012 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, आयशर मोटर्स और बजाज फिनसर्व के शेयर 1.75 प्रतिशत से लेकर 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एटरनल, टेक महिंद्रा, हिंडाल्को और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 2.33 प्रतिशत से लेकर 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,462 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,239 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

टैरिफ वृद्धि के बाद तमिलनाडु में ईवी चार्जिंग ऑपरेटरों की बढ़ सकती है लागत

एजेंसी

चेन्नई । तमिलनाडु विद्युत विनियामक आयोग (टीएनईआरसी) द्वारा बिजली दरों में संशोधन के बाद पूरे तमिलनाडु में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग ऑपरेटर परिचालन लागत में भारी वृद्धि हो सकती हैं। तमिलनाडु में नई बिजली दरें 1 जुलाई से प्रभावी हो गई हैं। संशोधित टैरिफ संरचना ने ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए ऊर्जा शुल्क और निश्चित मासिक शुल्क दोनों में वृद्धि की गई है, जिससे राज्य में सार्वजनिक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की आर्थिक व्यवहार्यता के बारे में ऑपरेटरों के बीच चिंता बढ़ गई है।हालांकि, टीएनईआरसी ने अपने टाइम-ऑफ-डे (टीओडी) टैरिफ मॉडल को बरकरार रखा है, जिसे पहली बार 2023 में ऑफ-पीक चार्जिंग को प्रोत्साहित करने के लिए पेश किया गया था।

नई संरचना के तहत, सौर घंटों (सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक) के दौरान चार्ज करने पर 6.50 रुपए प्रति किलोवाट घंटा लागत आएगी, पीक घंटों (सुबह 6 बजे से सुबह 9 बजे और शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक) के दौरान, दर 9.45 रुपए से बढ़कर 9.75 रुपए प्रति किलोवाट घंटा हो गई है। रात में चार्जिंग (रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक) के लिए अब 8.10 रुपए प्रति किलोवाट घंटा

का शुल्क लगेगा, जबकि पहले यह 7.85 रुपये था।

नई शुल्क संरचना के तहत सबसे बड़ी बढ़ोतरी हाई-टेंशन (एचटी) कनेक्शन के लिए निर्धारित शुल्क में की गई है, जिसका उपयोग आमतौर पर फास्ट-चार्जिंग स्टेशनों द्वारा किया जाता है। इसके लिए मासिक निर्धारित शुल्क दोगुने से भी अधिक 304 रुपए प्रति केवीए हो गया है, जो पहले 145 रुपए प्रति केवीए था। ये चार्ज वास्तविक उपयोग की परवाह किए बिना स्वीकृत लोड के आधार पर लगाए जाते हैं। उदाहरण के लिए, 50 किलोवाट का फास्ट-चार्जिंग स्टेशन, जिसके लिए पहले लगभग 1,300 रुपए निर्धारित शुल्क (बिजली करों को छोड़कर) का भुगतान करता था, अब 2,750 रुपये प्रति माह का भुगतान करना होगा। इससे पहले से ही कम क्षमता उपयोग के स्तर से जूझ रहे ऑपरेटरों की वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ने की उम्मीद है। इंडियन चार्ज पॉइंट ऑपरेटर्स एसोसिएशन के निदेशक के.पी. कार्तिकेयन ने इस बढ़ोतरी को एक बड़ा झटका बताया। उन्होंने कहा, हमारी बिजली की औसत लागत 9 से 9.50 रुपए प्रति यूनिट हुआ करती थी। नए टैरिफ के साथ, इसमें लगभग 2.50 रुपए प्रति यूनिट की वृद्धि हुई है यानी बिजली की लागत में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

ऑपरेटर अब राज्य सरकार से नीति ढांचे की समीक्षा करने और ईवी चार्जिंग इकोसिस्टम को व्यवहार्य बनाए रखने के लिए प्रोत्साहन या सब्सिडी पर विचार करने का आग्रह कर रहे हैं। इस तरह के समर्थन के बिना, कई लोगों को डर है कि बढ़ी हुई लागत तमिलनाडु में एक मजबूत, किफायती सार्वजनिक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की गति को धीमा कर सकती है।

स्पिरिचुअल ट्रिप टीवी की गोपी बहू: शिव मंदिर के बाद अब बेटे और मुस्लिम पति संग मां कामाख्या देवी की शरण में पहुंची

देवोलीना भट्टाचार्जी

टीवी की गोपी बहू यानि देवोलीना भट्टाचार्जी की भगवान में बेहद आस्था है। भले ही देवोलीना ने मुस्लिम घर में शादी की है लेकिन वह हिंदू धर्म बखूबी से निभाती हैं। देवोलीना इन दिनों मुस्लिम पति शहनवाज और बेटे जॉय के साथ स्पिरिचुअल ट्रिप पर हैं।

टीवी की गोपी बहू यानि देवोलीना भट्टाचार्जी की भगवान में बेहद आस्था है। भले ही देवोलीना ने मुस्लिम घर में शादी की है लेकिन वह हिंदू धर्म बखूबी से निभाती हैं। देवोलीना इन दिनों मुस्लिम पति शहनवाज और बेटे जॉय के साथ स्पिरिचुअल ट्रिप पर हैं।

हाल ही में शिव मंदिर गई थी। वहीं अब तीनों कामाख्या देवी मंदिर पहुंचे। एक्ट्रेस ने यहां से कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की जो अब तेजी से वायरल हो रही हैं।तस्वीरों में एक्ट्रेस ब्लैक कलर की प्रिंटेड साड़ी में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस मंदिर के बाहर बेटे और पति शहनवाज संग पोज देती दिखाई दी।

तस्वीरों में एक्ट्रेस के माथे पर तिलक लगा हुआ है और उन्होंने लाडले बेटे को गोद लिया हुआ। फोटोज में एक्ट्रेस के बेटे का फेस भी नजर आ रहा जो व्हाइट आउटफिट में प्यारा लग रहा है। देवोलीना ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा - शक्तिपीठ में मां का आशीर्वाद मिला। कामाख्या मंदिर में एक दिव्य दिन, जहां आस्था का मिलन मातृत्व से होता है और हर कदम पर मां का स्नेह होता है। मां कामाख्या, भारत के सबसे शक्तिशाली मंदिरों में से एक, परिवार के साथ इस आध्यात्मिक क्षण के लिए आभारी हूं।

बता दें कि बेटे के जन्म के बाद से एक्ट्रेस ब्रेक पर हैं हालांकि वो सोशल मीडिया पर खासी एक्टिव हैं। देवोलीना फैमिली के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही हैं और बेटे संग कई यादें सजो रही हैं।

कटरीना कैफ

की फैन गर्ल बनकर ऑटोग्राफ लेने आई थीं जरीन, वीडियो शेयर कर लिखा- नहीं सोचा कि...

जरीन खान ने एक पुराना वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने एक पुरानी याद शेयर की है। वीडियो में उनके साथ कटरीना कैफ नजर आ रही हैं और यह उस दौरान का है जब जरीन एक्ट्रेस भी नहीं बनी थीं और यह साल 2008 में आई फिल्म रेस के प्रीमियर के दौरान का है। जरीन ने इस वीडियो को शेयर कर उसे फैन गर्ल मोमेंट बताया है।

क्या है वीडियो में

वीडियो में आपको दिखेगा कि कटरीना ने पिंक कलर की लाड़ी पहनी है और वह खड़ी होती हैं तभी जरीन वहां एक्साइटेड होकर आती हैं और उनसे ऑटोग्राफ मांगती हैं। कटरीना उन्हें फिर ऑटोग्राफ देती हैं।

जरीन ने बताई अपनी फीलिंग्स

वीडियो शेयर कर जरीन ने लिखा, ओह माय गॉड...यह वीडियो मेरे सामने आया और यह याद आज भी इतनी फ्रेश है। मुझे आज भी यह मोमेंट अच्छे से याद है। यह रेस फिल्म के प्रीमियर के दौरान का है। थैंक्स मेरे दोस्तों को जिन्होंने मुझे पास दिए थे। उस वक्त मेरी आंखें खुली की खुली रह गई थीं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भी इस फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बनूंगी। लेकिन देखो मैं कितनी खुश दिख रही हूं वीडियो में, टोटल फैन गर्ल मोमेंट था।

कटरीना से कम्पैरिजन पर बोला था

बता दें कि जरीन का कई बार कटरीना से कम्पैरिजन किया जाता है। इस कम्पैरिजन पर जरीन ने कहा था, जब मैं इंडस्ट्री में आई तो मैं बिल्कुल एक ऐसे बच्चे की तरह थी जैसे खो गई है क्योंकि मैं फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं थी। मुझे खुशी होती थी कम्पैरिजन से क्योंकि मैं भी उनकी फैन थी। लेकिन इससे मेरे करियर पर काफी असर पड़ा क्योंकि इस वजह से उन्हें इंडस्ट्री में लोगों ने ज्यादा चांस नहीं दिए।बता दें कि जरीन लास्ट फिल्म हम भी अकेले, तुम भी अकेले में नजर आई थीं जिसे हरीष व्यास ने डायरेक्ट किया था। यह फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई थी। इसके बाद से वह किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं।

जब फ्लाइट में सनी देओल बांटने लगे सिगरेट, गुस्साए चंकी पांडे ने 'एक्शन किंग' पर जमकर निकाली थी भड़ास

बॉलीवुड सेलेब्स की दोस्ती और दुश्मनी के किस्से अक्सर ही फैंस के बीच सुर्खियों में रहते हैं. आए दिन फैंस अपने पसंदीदा कलाकार से जुड़ा कोई न कोई मजेदार किस्सा भी सुनते रहते हैं. आज हम आपके लिए सनी देओल और चंकी पांडे जैसे जाने-माने एक्टर्स का एक ऐसा किस्सा लाए हैं जो जानकर आप हैरान रह जाएंगे. एक बार सनी देओल ने फ्लाइट में सफर करने के दौरान कुछ यात्रियों के बीच सिगरेट बांट दी थी, लेकिन इससे चंकी भड़क गए थे और उन्होंने सनी पर जमकर भड़ास निकाली थी.

दरअसल बात ये है कि वो सिगरेट चंकी पांडे की थी. चंकी का सनी की इस हरकत पर गुस्सा होना भी जायज है, क्योंकि चंकी काफी महंगे ब्रांड की सिगरेट लाए थे और जब सनी देओल ने चोरी छिपे उन्हें पैसेंजर्स में बांट दी तो चंकी, सनी पर आगबबूला हो गए थे. सनी की ये हरकत चंकी को बिल्कुल पसंद नहीं आई थी.

चंकी ने खरीदी थी महंगी सिगरेट

चंकी और सनी साथ में कई फिल्मों में काम कर चुके हैं. दोनों के बीच दोस्ती का एक अच्छा रिश्ता है. दोनों को साल 1992 की फिल्म 'विश्वात्मा' में भी देखा गया था. इसकी शूटिंग नैरोबी में भी हुई थी. शूटिंग खत्म करने के बाद सनी और चंकी साथ में एक ही फ्लाइट में आए थे. इस दौरान सिगरेट पीने के शौकीन चंकी ने काफी महंगी सिगरेट खरीद कर रख ली थी.

सनी ने पैसेंजर्स में बांट दी सिगरेट

फ्लाइट में सनी ने चंकी साथ बड़ा प्रैंक कर दिया था. ये किस्सा खुद चंकी ने अपने एक इंटरव्यू में शेयर किया था. अभिनेता ने बताया था कि फ्लाइट में सफर के दौरान मैं सो गया था. हालांकि बाद में किसी ने मुझे जगाया और कहा कि सनी देओल सिगरेट बांट रहे हैं. तब मैंने सोचा कि सनी तो सिगरेट पीते नहीं है ये सिगरेट कैसे बांट रहे हैं. बाद में चंकी को एहसास हुआ कि सनी ने उनकी ही सिगरेट पैसेंजर्स में बांट दी थी.

सनी पर चिल्लाए चंकी

सनी देओल की ये हरकत लोगों का भला करने के काम आई, लेकिन इससे उन पर चंकी काफी गुस्सा हो गए थे. क्योंकि सनी, चंकी की खरीदी हुई महंगी सिगरेट लोगों में बांट रहे थे. चंकी, सनी देओल पर चिल्लाने लगे. हालांकि जल्द ही चंकी शांत हो गए थे. सनी ने उनसे कहा था कि तुम्हे दयालु होना चाहिए. तुम्हें लोगों के साथ हमेशा शेयर करना चाहिए.

'मजबूरी है भाई...' बॉलीवुड में आने से पहले ये काम करते थे इरफान खान, कपिल से कही थी दिल की बात

कपिल शर्मा के शो पर आने वाले मेहमान सिर्फ हंसी मजाक तक ही सीमित नहीं रहते हैं. कॉमेडी शो में अक्सर ही सेलेब्स अपनी जर्नी, उनके यादगार किस्से, फिल्मों और किसी खास घटना को भी शेयर करते हैं. कपिल के शो पर सेलेब्स अपने करियर के शुरुआती दिनों को भी याद करते हैं. दिवंगत अभिनेता इरफान खान ने भी एक सवाल के जवाब में अपने करियर की शुरुआत को लेकर बात की थी. तब इस सवाल का जवाब भी मिल गया था कि आखिर बॉलीवुड में आने से पहले इरफान क्या काम करते थे.

इरफान खान अब इस दुनिया में नहीं हैं. साल 2020 में कैंसर से उनका निधन हो गया था. लेकिन, वो अपने शानदार अभिनय से हमेशा फैंस के दिलों में जिंदा रहेंगे. इरफान का अभिनय जितना शानदार था वो असल जिंदगी में उतने ही बेहतरीन व्यक्ति थे. कपिल शर्मा के शो पर उन्होंने बताया था कि मजबूरी के चलते उन्होंने टीवी सीरियल से शुरुआत की थी.

टीवी से शुरू हुआ था इरफान का करियर

एक बार इरफान खान कपिल शर्मा के शो पर पहुंचे थे तब कपिल के साथ उन्होंने अपने स्ट्रगलिंग डेज और शुरुआती दिनों को लेकर बात की थी. कपिल ने उनसे कहा था, आपने तो टीवी से ही शुरुआत की थी ना ?इसके जवाब में अभनेता ने कहा था, हां टीवी से करनी पड़ती है ना आपने भी तो वहीं से की. मजबूरी है भाई.

इरफान का जवाब सुनकर कपिल ने कहा था, मेरा फेवरेट शो था चंद्रकांता (1994 का इरफान खान का टीवी सीरियल). भाई इतनी बार मुलाकात हुई, लेकिन मैं पूछना ही भूल गया. आपने पहला ऑडिशन, कोई भी टीवी सीरियल या फिल्म कब के लिए कब दिया था ? इसके जवाब में उन्होंने कहा था, मैंने बहुत पहले किया था, उन दिनों मैं ड्रामा स्कूल में था और हमारी छुट्टियां हुई थीं. तब आजादी को लेकर एक सीरियल बन रहा था उसका नाम मैं भूल गया. तो किसी ने बताया था कि उसमें जरूरत है काम करोगे. मैंने कहा बिल्कुल करेंगे. 300 रुपये कुछ मिलने वाले थे.

इन सीरियल का भी हिस्सा रहे

बॉलीवुड में आने से पहले इरफान ने लंबे समय तक टीवी सीरियल में काम किया था. चंद्रकांता के अलावा उन्हें 'चाणक्य', 'श्रीकांत', 'भारत एक खोज', 'सारा जहां हमारा', 'बनेगी अपनी बात' और 'जय हनुमान' जैसे सीरियल्स में भी देखा गया था.

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया– जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ–साथ अब बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा से प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर–1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

“ जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में साफ–साफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली लेकर धीरे–धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप–प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़–पौधा लगना! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ हो चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान–जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :–

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com
8084674042
6202611859
8084674042